संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 111
पृष्ठ 8
गुरूवार
08 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गुलाबी गालों के लिए इन चार चीजों...

विचार- पाकिस्तान को लेकर हमारी प्रतिक्रियाएं...

खेल- 600+ रन बनाने के बावजूद भारतीय...

ढीले पड़े तो सबसे ज्यादा नुकसान आपका होगा-मुख्यमंत्री

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे गंभीरता से लेते हुए अपने सभी मंत्रियों और विधायकों को साफ चेतावनी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगर वोटर लिस्ट को लेकर लापरवाही बरती गई, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान खुद नेताओं को ही उठाना पड़ेगा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों से कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में जिन पात्र मतदाताओं के नाम छूट गए हैं, उन्हें हर हाल में जुड़वाया जाए और जो लोग अपात्र हैं, उनके नाम हटवाए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी मंत्री अपने–अपने प्रभार वाले जिलों में जाकर खुद इस प्रक्रिया की निगरानी करें। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि अब ढील देने का समय नहीं है और हर स्तर पर सक्रिय रहना जरूरी है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आज मतदाता सूची को सही कराने के लिए की गई मेहनत आगे चुनाव में पार्टी और सरकार दोनों के लिए रास्ता आसान बनाएगी। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि किसी भी कीमत पर किसी पात्र मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से कटने न पाए। साथ ही, जिनके नाम कटे हैं या गलती से छूट गए हैं, उनकी आपत्तियां समय रहते दर्ज कराई जाएं। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में उत्तर प्रदेश के करीब 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम कटे होने की जानकारी सामने आई है। इनमें लखनऊ, गाजियाबाद, प्रयागराज, कानपुर, आगरा, बरेली, गोरखपुर, मेरठ, सीतापुर और जौनपुर जैसे बड़े जिले शामिल हैं। खास बात यह है कि इनमें से कई जिले बीजेपी के मजबूत गढ़ माने जाते हैं। पार्टी को आशंका है कि कटे हुए नामों में बड़ी संख्या बीजेपी समर्थक वोटरों की हो सकती है। यह पहली बार नहीं है जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मुद्दे पर चिंता जताई हो। इससे पहले भी उन्होंने कहा था कि जिन मतदाताओं के नाम कटे हैं, उनमें 80 से 90 प्रतिशत तक बीजेपी समर्थक हो सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने पार्टी के विधायकों, मंत्रियों और संगठन के पदाधिकारियों से एसआईआर अभियान में पूरी ताकत से जुड़ने की अपील की थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि जिन लोगों का नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं है या जो नए मतदाता बनना चाहते हैं, उनके लिए आवेदन का मौका दिया गया है। इसके लिए एक महीने का समय निर्धारित किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी बोले-

भारत को मिली मजबूती, स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण जहाज समुद्र प्रताप का जलावतरण

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण जहाज समुद्र प्रताप अब चालू हो गया है। उन्होंने कहा कि इस जहाज के शुरू होने से भारत की आत्मनिर्भरता और मजबूत हुई है। इसके साथ ही यह दिखाता है कि भारत पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को जहाज समुद्र प्रताप का शुभारंभ किया। यह भारत का पहला स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत है। यह अब तक तटरक्षक बल के बेड़े का सबसे बड़ा जहाज है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ष्भारतीय तटरक्षक पोत (आईसीजीएस) समुद्र प्रताप का कमीशन होना कई कारणों से उल्लेखनीय है। जिनमें यह तथ्य भी शामिल है कि यह आत्मनिर्भरता के हमारे दृष्टिकोण को मजबूती प्रदान करता है। हमारे सुरक्षा तंत्र को बढ़ावा देता है और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पोत समुद्री प्रदूषण नियंत्रण नियमों को लागू करने, समुद्री कानून प्रवर्तन, खोज और बचाव अभियानों और भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा। इस पोत की प्राथमिक भूमिका समुद्र में प्रदूषण से निपटने की है, जिसे अत्याधुनिक प्रणालियों द्वारा समर्थित किया जाता है।

ट्रंप के टैरिफ को लेकर राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना, इंदिरा गांधी का जिक्र किया

नई दिल्ली,एजेंसी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। राहुल गांधी ने उन पर दबाव के आगे झुकने का आरोप लगाया और उनकी तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व से की। राहुल गांधी की यह टिप्पणी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के एक दिन बाद आई। रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों की बैठक में ट्रंप ने कहा था, प्रधानमंत्री मोदी ने मुझसे मिलने आए थे और उन्होंने कहा– सर, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं? जी हां। ट्रंप ने भारत पल लगाए गए भारी टैरिफ का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत अभी बहुत ज्यादा टैरिफ चुका रहा है और उसने रूसी तेल की खरीद काफी हद तक कमश कर दी है। राहुल गांधी ने इस बयान से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया, जिसका कैप्शन फर्क समझो सरजी था। राहुल गांधी ने कहा, मैं अब इन भाजपा–आरएसएस के लोगों को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। थोड़ा सा दबाव डालो, थोड़ा सा धक्का दो और ये डर के मारे भाग जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, जैसे ही ट्रंप ने वहां से इशारा किया, इन्होंने फोन उठा लिया। उन्होंने कहा, मोदी जी आप क्या कर रहे हैं? नरेंद्र ने सरेंडर (आत्मसमर्पण) कर दिया और जी हुजूर कहते हुए नरेंद्र मोदी जी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया। 1971 के युद्ध का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि एक समय भारत ने अमेरिका के दबाव के बावजूद मजबूती से अपना रुख बनाए रखा था। उन्होंने कहा, आपको वह समय याद होगा जब केवल फोन कॉल नहीं आया था– सातवां बेड़ा आ गया था। 1971 के युद्ध में सातवां बेड़ा आया, हथियार आए, एक विमानवाहक पोत आया। तब इंदिरा गांधी जी ने कहा था, मुझे जो करना है, मैं करूंगी। यही फर्क है। डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर कुल 50 फीसदी तक के टैरिफ लगाए हैं। इसमें 25 फीसदी रूस से तेल की खरीद को लेकर लगाया गया है। ट्रंप ने कहा, मेरे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं।

कांग्रेस–ओवैसी से भाजपा के गठबंधन पर भड़के फडणवीस, कहा- किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अंबरनाथ और अकोला में कांग्रेस और ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के साथ गठबंधन पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए इस गठबंधन को खारिज किया है। अंबरनाथ में भाजपा ने कांग्रेस और अजित पवार की एनसीपी के साथ गठबंधन कर नगर परिषद का अध्यक्षता बनाया है। वहीं अकोट नगर परिषद में भाजपा ने ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के साथ गठबंधन किया है। सीएम फडणवीस ने स्थानीय भाजपा इकाई के इस कार्य को संगठन विरोधी बताया है। साथ ही कड़ी नाराजगी जताते हुए ऐसे गठबंधन को तुरंत खत्म करने के बाद पार्टी के निर्देशों का उल्लंघन करने वाले नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है। गठबंधन को खारिज करते हुए सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस तरह के किसी भी तरह के गठबंधनों को पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व की मंजूरी नहीं है। यह संगठनात्मक अनुशासन का उल्लंघन है। अपने बयान में सीएम ने कहा कि भाजपा कभी भी कांग्रेस या एआईएमआईएम के साथ गठबंधन नहीं कर सकती। ऐसे गठबंधन अस्वीकार्य हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमत्री फडणवीस ने अपने बयान में कहा कि ऐसे गठबंधन को को रद्द करने के निर्देश पहले ही जारी कर दिए गए हैं और यह भी कहा कि इसमें शामिल नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, यदि भाजपा के किसी भी स्थानीय नेता ने बिना अनुमति के इन पार्टियों (एआईएमआईएम, कांग्रेस) के साथ गठबंधन किया है, तो यह पार्टी अनुशासन का गंभीर उल्लंघन है और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ठाणे जिले के अंबरनाथ नगर परिषद में भाजपा ने कांग्रेस और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ मिलकर अंबरनाथ विकास अघाड़ी के बैनर तले नगर परिषद का नेतृत्व संभाला और सहयोगी शिवसेना को दरकिनार कर दिया। भाजपा पार्षद तेजश्री करंजुले पाटिल बुधवार को शिवसेना की मनीषा वालेकर को हराकर परिषद अध्यक्ष चुनी गईं।

20 दिसंबर को हुए 60 सदस्यीय अंबरनाथ नगर परिषद के चुनावों में, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना 27 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जो बहुमत से चार सीटें कम थी। भाजपा ने 14 सीटें, कांग्रेस ने 12, एनसीपी ने चार सीटें जीतीं और दो निर्दलीय उम्मीदवार निर्वाचित हुए। एक निर्दलीय उम्मीदवार के समर्थन से, तीन दलों के गठबंधन की ताकत बढ़कर 32 हो गई, जो बहुमत के 30 के आंकड़े को पार कर गई। कांग्रेस ने बुधवार को अंबरनाथ में पिछले महीने हुए नगर निकाय चुनावों के बाद भाजपा के साथ गठबंधन कर जीतने वाले 12 नए पार्षदों और अपने ब्लॉक अध्यक्ष को पार्टी से निलंबित कर दिया। प्रतिद्वंद्वी पार्टियों भाजपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर विवाद के बाद कांग्रेस ने पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की है। कांग्रेस ने अपने अंबरनाथ ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप पाटिल को निलंबित कर दिया। पत्र में पार्टी की महाराष्ट्र इकाई ने उन्हें यह भी बताया कि उसकी ब्लॉक इकाई को भंग कर दिया गया है। भाजपा ने एआईएमआईएम के साथ मिलकर श्अकोट विकास मंचश का गठन किया। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), एकनाथ शिंदे की शिवसेना, अजित पवार की एनसीपी, शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) और प्रहार जनशक्ति पार्टी ने भी इसमें सहयोग दिया।

मस्जिद के पास बुलडोजर एक्शन, भीड़ ने किया पुलिस पर पथराव, आंसू गैस का प्रयोग

दिल्ली,एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली के तुर्कमान गेट स्थित फैज–ए–इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण पर एमसीडी की बुलडोजर कार्रवाई की। MCD ने दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। देर रात हुई कार्रवाई का स्थानीय लोगों ने विरोध किया। देखते ही देखते भीड़ आक्रोशित हो गई। भीड़ ने पुलिस और कार्रवाई कर रही टीम पर पथराव कर दिया। पथराव के बाद इलाके में तनाव का माहौल हो गया। हालांकि पुलिस ने स्थिति को संभाल लिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अतिक्रमण हटाने के कार्रवाई के दौरान कुछ उपद्रवियों ने पत्थराव कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर हालात काबू किए। पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े। फिलहाल स्थिति सामान्य है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली के रामलीला मैदान इलाके में सैयद फैज इलाही मस्जिद और पास के कब्रिस्तान से सटी जमीन पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हिंसक रूप ले ली। दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों के बाद दिल्ली नगर निगम के अधिकारी जब तोड़फोड़ करने पहुंचे, तो स्थानीय लोगों के एक समूह ने कथित तौर पर पत्थरबाजी की, जिसमें कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने भीड़ को तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे।

सेंट्रल रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त मधुर वर्मा ने बताया कि दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, एमसीडी ने सात जनवरी को तड़के दिल्ली के रामलीला मैदान के पास तुर्कमान गेट स्थित फैज–ए–इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाया। इस कार्रवाई के दौरान, कुछ उपद्रवियों ने पत्थरबाजी करके अशांति फैलाने का प्रयास किया। संयमित और न्यूनतम बल प्रयोग से स्थिति को तुरंत नियंत्रण में लाया गया और बिना किसी तनाव के सामान्य स्थिति बहाल की गई। ज्वाइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस, सेंट्रल रेंज, मधुर वर्मा ने कहा कि ष्तोड़फोड़ के दौरान, कुछ बदमाशों ने पत्थरबाजी करके गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश की। स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया गया और कम से कम बल का इस्तेमाल करके सामान्य स्थिति बहाल की गई, यह सुनिश्चित किया गया कि स्थिति बिगड़े नहीं।

दिल्ली में अतिक्रमण और पत्थरबाजी पर सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट DCP निधिन वलसन ने कहा कि MCD के कर्मचारी बुलडोजर लेकर यहां आए, और हमने अपनी फोर्स यहां तैनात की। हमने यहां के लोकल लोगों से बात की और उन्हें बताया कि आपको कोर्ट के आदेश का पालन करना चाहिए। जब डब्ब ने डिमोलिशन ड्राइव शुरू करने का फैसला किया, तो करीब 150 लोग यहां इकट्ठा हो गए... करीब 25–30 लोगों ने पुलिस पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया, और जवाब में हमें बल प्रयोग करना पड़ा। उन्होंने बताया कि हमें उन्हें पीछे हटाना पड़ा और फिर अतिक्रमण पर कार्रवाई शुरू हुई। पत्थरबाजी की घटना में पांच पुलिस अधिकारी घायल हो गए।

लोकसभा अध्यक्ष की जांच समिति कानून के खिलाफ शीर्ष अदालत में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का दावा

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में लोकसभा अध्यक्ष द्वारा उनके खिलाफ गठित जांच समिति को चुनौती दी है। यह समिति उनके भ्रष्टाचार आरोपों की जांच के लिए बनाई गई थी। न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने बताया कि जज (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत, यदि किसी जज के खिलाफ इम्पीचमेंट मोशन दोनों सदनों में एक ही दिन प्रस्तुत किए गए हों, तो जांच समिति का गठन दोनों सदनों द्वारा संयुक्त रूप से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में राज्यसभा में मोशन खारिज कर दिया गया, लेकिन इसके बावजूद लोकसभा अध्यक्ष ने तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी। रोहतगी ने इसे कानूनी रूप से 'नॉन–एस्ट' (अवैध) बताया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने यह सवाल उठाया कि क्या एक सदन में मोशन खारिज होने पर दूसरे सदन में कार्रवाई करना रोका जा सकता है।

डिप्टी सीएम केशव बोले- लोकतंत्र की मजबूती के लिए इतिहास से प्रेरणा लेना आवश्यक

प्रयागराज। चंद्रशेखर आज़ाद पार्क स्थित राजकीय पब्लिक लाइब्रेरी में बुधवार को प्रदेश विधानमंडल की पहली बैठक की स्मृति में गौरव बोध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रहे।

चंद्रशेखर आज़ाद पार्क स्थित राजकीय पब्लिक लाइब्रेरी में बुधवार को प्रदेश विधानमंडल की पहली बैठक की स्मृति में गौरव बोध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आठ जनवरी 1887 को प्रदेश विधानमंडल की पहली बैठक हुई थी, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस ऐतिहासिक दिन की स्मृति में 139 वर्ष पूरे होने पर यह आयोजन किया जा रहा है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि विधानमंडल की परंपरा ने प्रदेश के विकास और जनहित से जुड़े निर्णयों को सशक्त आधार दिया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए इतिहास से प्रेरणा लेना आवश्यक है और ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत की जानकारी मिलती है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के प्रयागराज पहुंचने पर एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया गया। महापौर गणेश केसरवानी, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता समेत बड़ी संख्या में नेताओं ने बुके और गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इसका फोटो भी भी डिप्टी सीएम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर शेयर किया है।

भाई नहीं, कसाई है... जो इतनी बेरहमी से पिता, बहन और भांजी की हत्या

प्रयागराज। मेरा भाई नहीं वो कसाई है, इतनी बेरहमी से उसने पिता, बहन और भांजी की हत्या की है। उस पर भी गोली चलाकर जान से मारने का प्रयास किया है। ऐसे कसाई भाई को अजीवन कारावास होनी चाहिए। मेरा भाई नहीं वो कसाई है, इतनी बेरहमी से उसने पिता, बहन और भांजी की हत्या की है। उस पर भी गोली चलाकर जान से मारने का प्रयास किया है। ऐसे कसाई भाई को अजीवन कारावास होनी चाहिए। पुलिस–प्रशासन से भी मेरी मांग है कि उसे कड़ी से कड़ी सजा दिलवाया जाए। यह कहना था छोटे भाई मुकुंद कुमार पटेल का। मंगलवार शाम परिवार मोर्चरी पहुंचा, जहां पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पोस्टमार्टम हाउस में शाम 5रू30 बजे मुकुंद कुमार, उसके जीजा और समेत अन्य परिवार के लोग पहुंचे। डॉक्टरों की पैनल ने देर शाम तीनों शव का पोस्टमार्टम किया। इस दौरान मुकुंद का रो–रोकर बुरा हाल था। उन्होंने बताया कि घटना की रात भाई मुकेश के घर ससुराल से साढू और गांव के कुछ लोग इकट्ठा हुआ थे। सभी नववर्ष के खुशी में घर में पार्टी कर रहे थे। पार्टी खत्म होने के बाद भाई पिता के पहुंचा और बहसबाजी के बाद उन्हें और बहन व भांजी को मौत घाट उतार दिया। मुकुंद ने बताया कि अगले दिन जब वह अपने काम से वापस घर लौट रहे थे उन पर भी मुकेश ने बिना कोई बात के हमला कर दिया था। गनीमत रही कि घटना में वह बाल–बाल बच गए। गोली सिर्फ गर्दन को छूती हुई निकल गई। पिता, बहन और भांजी की हत्या के बाद मुकुंद को भी अपनी हत्या का डर सता रहा है। यही वजह है कि मुकुंद ने पुलिस से गुहार लगाकर अपनी सुरक्षा की मांग की है। कहा कि एक परिवार के जब तीन लोगों की हत्या हो सकती है तो उसे भी किसी दिन जान से मारा जा सकता है। वहीं, मुकुंद कहा कि मुकेश को गांव के ही एक शख्स ने मुकेश को तमंचा दिया था। पुलिस उक्त आरोपी भी कार्रवाई करे।

मंगलसूत्र का बार–बार टूटना गुणवत्ता में कमी, ज्वेलर्स नई कीमत चुकाए

प्रयागराज। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने कहा कि आभूषण का बार–बार टूटना गुणवत्ता में कमी को दर्शाता है। ऐसे में ज्वेलर्स ग्राहक को मंगलसूत्र की नई कीमत चुकाए। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने कहा कि आभूषण का बार–बार टूटना गुणवत्ता में कमी को दर्शाता है। ऐसे में ज्वेलर्स ग्राहक को मंगलसूत्र की नई कीमत चुकाए। यह आदेश आयोग के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहीम व सदस्य प्रकाश चंद्र त्रिपाठी की पीठ ने चार साल में चार बार मंगलसूत्र टूटने पर प्रयागराज के अल्लापुर की ममता गुप्ता की ओर से दायर परिवाद पर दिया है। ममता ने 18 अप्रैल 2018 को सिविल लाइंस स्थित ज्वेलर्स से 22.50 कैरेट के सोने का मंगलसूत्र खरीदा था। उसका वजन 12.320 ग्राम बताया

गया था। उस समय के सोने के भाव पर 38,601 रुपये का भुगतान किया। याची कहना है कि मंगलसूत्र पहनने के महज तीन महीने में ही टूट गया। शिकायत पर दुकानदार ने कमजोर कड़ी बताकर उसकी मरम्मत की और 500 रुपये चार्ज लिए पर रसीद नहीं दी। इसके बावजूद मंगलसूत्र बार टूटा। बार–बार टूटने से ममता उसे पहनने से भी डरने लगीं। ममता ने 2022 में उसे बदलने की मांग की तो ज्वेलर्स ने इन्कार कर दिया। दोबारा मरम्मत की बात कहते हुए 210 रुपये भी ले लिए। वहीं, 10 दिन बाद मंगलसूत्र फिर टूटा तो मौजूदा सोने के भाव के अनुसार पूरी कीमत लौटाने की मांग की तो ज्वेलर्स ने 20 प्रतिशत राशि काटने की शर्त रख दी। जबकि ऐसी किसी शर्त का उल्लेख बिल या कैश मेमो में नहीं किया गया था। मामला आयोग में पहुंचने पर ज्वेलर्स की ओर से दलील दी गई कि मंगलसूत्र ग्राहक के उपयोग के कारण टूटा और उसमें निर्माण दोष नहीं था। हर बार मंगलसूत्र की मरम्मत कर उपभोक्ता की मदद की। नियमों के अनुसार सोने की कीमत लौटाने पर 20 प्रतिशत कटौती की जाती है। वहीं, दोनों पक्षों को सुनने के बाद आयोग ने माना कि ज्वेलर्स उपभोक्ता को संतोषजनक सेवा देने में विफल रहा।

बाबाओं को गनर पसंद ... अब तक करीब 90 साधु–संतों को प्रदान की जा चुकी है सुरक्षा

प्रयागराज। संसार और परिवार का मोह माया छोड़कर संन्यासी बने साधु–संत माघ मेले में अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। 150 से अधिक साधु संतों ने जान का खतरा बताते हुए एसपी मेला से गनर उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखा है।

माघ मेले में प्रवास कर रहे करीब 150 साधु–संतों ने खुद को असुरक्षित बताते हुए मेला पुलिस से व्यक्तिगत सुरक्षा मांगी है। मेला पुलिस के अनुसार, आवेदनों में बताए गए कारणों का सत्यापन गोपनीय तरीके से कराया जा रहा है। यह जिम्मेदारी स्थानीय खुफिया इकाई (एलआईयू) को दी गई है।

इकाई यह जांच कर रही है कि किन साधु–संतों को वास्तव में जान का खतरा है। एलआईयू की रिपोर्ट के आधार पर अब तक करीब 90 साधु–संतों को सुरक्षा प्रदान की जा चुकी है, जबकि शेष आवेदनों पर रिपोर्ट का इंतजार है। वहीं, मेला क्षेत्र में लगे 65 से अधिक शिविरों की सामान्य सुरक्षा के लिए पहले से ही होमगार्ड की तैनाती की गई है। क्षेत्र की सुरक्षा में तैनात पुलिस का विवरण

सात अपर पुलिस अधीक्षक,

14 सीओ, 29 इंस्पेक्टर, 221 दरोगा, 15 महिला दरोगा, 1593 सिपाही, 136 महिला सिपाही, पीएसी की पांच बाढ़ राहत कंपनियां, सात कानून–व्यवस्था के लिए पीएसी कंपनियां, दो एनडीआरएफ टीमें, एक एसडीआरएफ, दो आरएएफ कंपनियां, संपूर्ण मेला अवधि के लिए चार आरएएफ कंपनियां, आंतरिक सुरक्षा के लिए छह बीडीडीएस टीमें, दो एटीएस चेक टीमें, 78 एलआईयू कर्मी और यातायात के लिए चार इंस्पेक्टर, 38 दरोगा, 381 यातायात मुख्य आरक्षी, 1088 होमगार्ड, 304 पीआरडी कर्मियों की तैनाती की गई है।

मेला क्षेत्र में लगे 400 कैमरे

शहर से लेकर मेला क्षेत्र में 1552 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसमें मेले में 400 कैमरे शामिल है। एक सेंट्रल कंट्रोल रूम, 16 महिला हेल्प डेस्क, 17 साइबर हेल्प डेस्क, 761 फायरकर्मी तैनात हैं। इसके अलावा 20 वाच टावर भी लगाए गए हैं।

60 से अधिक शिविरों में होमगार्ड और करीब 90 साधु–संतों को गनर उपलब्ध कराए गए हैं। अन्य आवेदनों की एलआईयू से जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। – नीरज कुमार पांडेय, एसपी माघ मेला

मऊआइमा हत्याकांडः डीसीपी ने की पूछताछ

प्रयागराज। मऊआइमा में पिता, बहन और भांजी की हत्या करने वाले आरोपी मुकेश ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। डीसीपी ने सामने बैठाकर उससे पूछताछ की। आरोपी ने बताया कि उसका इरादा सिर्फ पिता को मारना था। बहन और भांजी अगर चीखती–चिल्लाती नहीं तो उनको नहीं मारता।

पिता राम सिंह पटेल, बहन साधना और भांजी आस्था की हत्या करने वाले आरोपी मुकेश कुमार पटेल ने पुलिस पूछताछ हत्या की पूरी कहानी बयां की है। उसने बताया कि वह तो सिर्फ पिता राम सिंह की हत्या करना चाहता था। अगर बहन और भांजी चीखती–चिल्लाती नहीं तो दोनों को नहीं मारता। डीसीपी कुलदीप सिंह गुनावत ने आरोपी मुकेश कुमार को सामने बिठाकर लंबी पूछताछ की।

मंगलवार पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि तीन लोगों की हत्या और भाई को गोली मारने के बाद वह एक अधिवक्ता के माध्यम से सोमवार को जिला न्यायालय में आत्मसमर्पण करने गया था लेकिन उससे पहले ही पुलिस एसओजी की टीम ने उसे पकड़ लिया।

पुलिस के सवाल, आरोपी के जवाब

सवाल– तुमने अपने ही परिवार को क्यों मार दिया

जवाब– मुकुंद को पिता ज्यादा मानते थे। उसे मेरे हिस्से की जमीन दी थी। सिर्फ 10 बिसवा जमीन मांगी तो उन्होंने देने से इन्कार कर दिया।

सवाल– तीनों शव को तुमने कुएं में क्यों फेंका

जवाब– कुआं घर से करीब 500 मीटर दूर सुनसान जगह पर है। वहां पर लोगों का आना–जाना बहुत कम है। इसलिए कुएं में तीनों शवों को फेंका था।

सवाल– हत्या में तुम्हारे साथ और कौन शामिल है

जवाब– और कोई नहीं है, मैंने ही तीनों को मारा है। इसके बाद पहले पिता और फिर साधना व आस्था को बोरे में भरकर फेंका है।

सवाल– हत्या करने के बाद तुमने क्या किया

जवाब– शव ठिकाने लगाने के बाद वापस पिता के घर आया। कमरे में जगह–जगह खून फैला था एक गीले कपड़े से कमरा साफ किया। सारे निशान मिटाने के बाद दरवाजे पर ताला लगाकर चला गया।

सवाल– फिर कहां गए और क्या किया

जवाब– अपने घर चला गया, थोड़ी देर सोया और फिर सुबह उठकर अपने भाई मुकुंद की तलाश करने लगा। इस दौरान हाथ में डंडा भी था, गांव वालों को शक था कि वह कुछ करने वाला है।

सवाल– भाई को गोली क्यों मारी

जवाब– मुकुंद की वजह से ही पिता उसके दुश्मन थे। सोचा कि अगर मुकुंद को मार दूंगा तो पूरी संपत्ति मेरी हो जाएगी। घर के रास्ते पर मुकुंद मिला तो पहले डंडे से मारा फिर गोली चला दी लेकिन वह बच गया।

हाईकोर्ट का आदेशः तलाशी और जब्ती की वीडियोग्राफी अनिवार्य, डीजीपी जारी करें एसओपी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि तलाशी और जब्ती की प्रक्रिया में ऑडियो–वीडियो की रिकॉर्डिंग अनिवार्य है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा–105 और उत्तर प्रदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा नियमावली–2024 के तहत तलाशी, बरामदगी और जब्ती की वीडियोग्राफी आवश्यक है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि तलाशी और जब्ती की प्रक्रिया में ऑडियो–वीडियो की रिकॉर्डिंग अनिवार्य है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा–105 और उत्तर प्रदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा नियमावली–2024 के तहत तलाशी, बरामदगी और जब्ती की वीडियोग्राफी आवश्यक है। इसे ई–साक्ष्य पोर्टल पर अपलोड किया जाना चाहिए। कोर्ट ने इस व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने का निर्देश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने शादाब की जमानत अर्जी पर दिया है। मुजफ्फरनगर के मंसूरपुर थाने में याची शादाब पर विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अभियोजन का दावा था कि आरोपी और अन्य सह–आरोपियों के पास से 40 बाइक बरामद की गई थीं। आरोपी ने जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

अधिवक्ता ने दलील दी कि याची को मामले में झूठा फंसाया गया है और सह आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है। साथ ही यह भी दलील दी कि नियमानुसार बरामदगी की वीडियोग्राफी नहीं कराई गई है। इससे मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। वहीं, कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि बीएनएसएस की धारा–105 के तहत तलाशी और जब्ती की प्रक्रिया की ऑडियो–वीडियो रिकॉर्डिंग अब वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य है।

इसके अलावा नियमावली के अनुसार ऐसी रिकॉर्डिंग को केस डायरी का हिस्सा बनाकर 48 घंटे के भीतर संबंधित मजिस्ट्रेट को भेजा जाना चाहिए। इन प्रावधानों का पालन न होने से अभियोजन की पूरी कहानी संदेह के घेरे में आ जाती है। इससे निर्दोष व्यक्तियों को झूठी बरामदगी में फंसाए जाने की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने मामले की परिस्थितियों, सह–आरोपियों को पहले से मिली जमानत, आरोपी की लंबी हिरासत और जेलों में बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए शादाब को सशर्त जमानत दे दी।

वहीं, कोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया कि वे इस संबंध में एसओपी जारी करें और जो अधिकारी इन अनिवार्य प्रावधानों का पालन नहीं कर रहे हैं, उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

सर्दी हुई कड़क, शीतलहरी से बढ़ी गलन, जनजीवन बेहाल

प्रयागराज। जिले में शीतलहर और तेज पछुआ हवाओं के चलते ठंड का असर और ज्यादा बढ़ गया है। मंगलवार को पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं ने पूरे शहर और ग्रामीण इलाकों में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। दिनभर धूप कमजोर रही, जिससे वातावरण में गलन बनी रही। न्यूनतम तापमान इस सीजन का अब तक का सबसे कम छह डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शीतलहरी से बढ़ी गलन की वजह से सर्दी कड़क हो गई है। मंगलवार को पहाड़ों से आ रही बर्फीली पछुआ हवाओं की वजह से जनजीवन प्रभावित रहा। न्यूनतम तापमान इस सीजन का सबसे कम छह डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। घने कोहरे की वजह से सुबह दृश्यता शून्य रही।

तेज पछुआ हवाओं की वजह से बढ़ी गलन वाली सर्दी का असर तेज होने से लोग कांपते रहे। दोपहर बाद दिखी धूप भी सर्द हवाओं के असर से कमजोर रही सो लोगों को सर्दी से बचाव के लिए अलाव का सहारा लेना पड़ा। इस सीजन तीसरी बार सात और छह डिग्री के बीच दर्ज किया गया।

बीते साल 27 दिसंबर को न्यूनतम पारा 6.8 डिग्री सेल्सियस, इस वर्ष पांच जनवरी को 6.7 डिग्री सेल्सियस और छह जनवरी को सबसे कम 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को अधिकतम तापमान धूप निकलने की वजह से 2.2 डिग्री की बढ़त के साथ 18.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वातावरण में नमी सौ फीसदी रही। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि रात के तापमान में अभी और गिरावट आसार हैं। वहीं मौसम विज्ञानी इविवि के डॉ. शैलेंद्र राय के मुताबिक पछुआ के प्रभाव से रातें और ज्यादा सर्द होंगी। सुबह कोहरा घना हो सकता है। यह स्थिति इस सप्ताह बनी रह सकती है।

नगर निगम ने 589 स्थानों पर जलवाए अलाव

नगर निगम ने लोगों को सर्दी से राहत दिलाने के लिए प्रमुख सार्वजनिक स्थानों के साथ कुल 589 स्थानों पर अलाव जलवाने का दावा किया है। अधिशासी अभियंता अनिल मौर्या के मुताबिक रेलवे स्टेशनों, बस स्टाप और प्रमुख चौराहों के साथ आश्रय स्थलों में अलाव की व्यवस्था है।

बाहर निकलें तो कान–सिर ढंके और मोजे जरूर पहनें

मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ डॉ. पीयूष सक्सेना के मुताबिक, सर्दी से बुजुर्गों के साथ बच्चों को भी बचाना होगा। घर से बाहर निकलें तो कान–सिर ढंके और मोजे जरूर पहनें।शुगर और बीपी के मरीज नियमित परामर्श के मुताबिक दवाएं लें और ताजा, हल्का और सुपाच्य भोजन करें। डॉ. पीयूष ने सलाह दी है कि दिल के मरीज भोजन करने के उपरांत कम से कम आधे घंटे तक टहलें नहीं, आराम करें, नियमित दवा लें। यदि परेशानी महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

मेले में आकर्षण का केंद्र बन रहा सिल्वर बॉय, रोज खड़े रहते हैं पांच घंटे

प्रयागराज। माघ मेले में पूणे से स्नान करने आए रामू इन दिनों सिल्वर बॉय के नाम से लोगों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। पिछले तीन दिनों से मेले में सुर्खियां बटोरते रामू बताते हैं कि उनका सिल्वर बॉय बनने का सफर तीन साल पहले शुरू हुआ था। माघ मेले में पूणे से स्नान करने आए रामू इन दिनों

सिल्वर बॉय के नाम से लोगों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। पिछले तीन दिनों से मेले में सुर्खियां बटोरते रामू बताते हैं कि उनका सिल्वर बॉय बनने का सफर तीन साल पहले शुरू हुआ था, जिससे उन्हें पूणे में खूब पहचान मिली है।

बूढ़ी मां, पत्नी और पांच बच्चों की जिम्मेदारी ने रामू को सिल्वर बॉय बनने की राह दिखाई, लेकिन ये अब उनके कमाई का एकमात्र माध्यम है। मेले में लगातार चार से पांच घंटे खड़े होने के बाद रामू की दो सौ से तीन सौ रुपये तक की कमाई हो रही है। उन्होंने बताया कि इसके शरीर में सिल्वर पेंट लगाना पड़ता है, जिससे स्किन एलर्जी का सामना करना पड़ता है और उन्हें डॉक्टर से दवा लेनी पड़ती है। सिल्वर बॉय मेले में लोगों से उनकी कला के बदले सिर्फ एक रुपए की मांग रखते हैं।

ग्रीन जोन से रेड जोन में पहुंची प्रयागराज की हवा, तीनों इलाकों में एक्यूआई 300 के पार

प्रयागराज। प्रयागराज की हवाओं में दो दिन बाद ही जहर घुल गया है। दो दिन पहले तक प्रयागराज का एक्यूआई ग्रीन जोन में पहुंच गया था। सोमवार को प्रयागराज के तीनों इलाके यलो जोन में रहे और मंगलवार को वायु प्रदूषण रेड जोन में पहुंच गया। प्रयागराज की हवाओं में दो दिन बाद ही जहर घुल गया है। दो दिन पहले तक प्रयागराज का एक्यूआई ग्रीन जोन में पहुंच गया था। सोमवार को प्रयागराज के तीनों इलाके यलो जोन में रहे और मंगलवार को वायु प्रदूषण रेड जोन में पहुंच गया। मंगलवार को प्रयागराज के झूंसी, सिविल लाइंस एवं तेलियरगंज में एक्यूआई का स्तर 300 के पार पहुंच गया था। इससे एक बार फिर वायु प्रदूषण के लिहाज से लोगों की मुसीबत बढ़ गई थी।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक मंगलवार को प्रयागराज का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के अंक पार रहा। झूंसी में पीएम 2.5 का स्तर 307 एवं पीएम 10 का स्तर 281 दर्ज किया गया। तेलियरगंज में पीएम 2.5 का स्तर 309 दर्ज किया गया जबकि पीएम 10 का स्तर 134 रहा। सिविल लाइंस में पीएम 2.5 का स्तर 304 और पीएम 10 का स्तर 297 रहा। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली का अनुमान है कि अगले दो दिनों के बीच हवा की रफ्तार ज्यादातर समय दस किलोमीटर प्रति घंटे से कम रहेगी।

मर्चेंट नेवी कर्मी की जहाज में मौत, घर में कोहराम, तीन जनवरी की रात चीन में अचानक हो गई तबीयत खराब

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के कहरा गांव निवासी मोहम्मद इकराम उर्फ सोनू (23) पुत्र अयूब मर्चेंट नेवी की जहाज में तबीयत खराब होने से मौत हो गई। युवक की मौत की खबर परिजनों को मिली तो कोहराम मच गया। उतरांव थाना क्षेत्र के कहरा गांव निवासी मोहम्मद इकराम उर्फ सोनू (23) पुत्र अयूब मर्चेंट नेवी की जहाज में तबीयत खराब होने से मौत हो गई।

युवक की मौत की खबर परिजनों को मिली तो कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि बीते 3 जनवरी की रात चीन में युवक की अचानक तबीयत खराब हो गई। आरोप है कि सही समय से ठीक ढंग से इलाज ना हो पाने पर उसकी मौत हो गई। मौत की जानकारी जब परिजनों को हुई तो कोहराम मच गया। मृतक की मां शाहीना बेगम ने बताया कि बेटा मंगलवार को छुट्टी लेकर घर आने वाला था। इस बीच उसकी मौत की खबर मिली। अभी पांच माह पहले वह वर्ल्ड मेरी टाइम एनर्जी कंपनी की जहाज सारेंन टू पर गया था। मृतक तीन भाइयों और पांच बहनों में दूसरे नंबर पर था। उसकी शादी नहीं हुई थी। पिता अयूब के अनुसार, बेटे का शव तीन–चार दिन में घर पहुंचने की संभावना है।

किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पिता पर हत्या का आरोप, मृतका के मामा ने पुलिस को दी तहरीर

प्रयागराज। थरवई थाना क्षेत्र के सुदी का पूरा ताराडीह गांव में किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के मामा ने पिता पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थरवई थाना क्षेत्र के सुदी का पूरा ताराडीह गांव में किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के मामा ने पिता पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कौशाम्बी जनपद के करारी थाना क्षेत्र के बथूई गांव के धीरेंद्र कुमार पुत्र भोलानाथ तिवारी ने बताया कि उसकी बहन वंदना की शादी 20 वर्ष पूर्व थरवई थाना क्षेत्र के सुदी का पूरा ताराडीह गांव के आशुतोष मिश्र पुत्र राजेंद्र प्रसाद मिश्र के साथ हुआ था। आरोप है कि दंपती में विवाद होने के कारण वंदना अपने मायके में रहती थी। वंदना की बेटी सुभी (13) अपने पिता के साथ रहती थी। सोमवार की शाम को सुभी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इधर, मामा धीरेंद्र कुमार तिवारी ने पुलिस को तहरीर देकर उसकी गला दबाकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया। थाना प्रभारी संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शहर समता विचार मंच द्वारा ऑनलाइन महिला विशेषांक का लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी 'सफलतापूर्वक सम्पन्न'

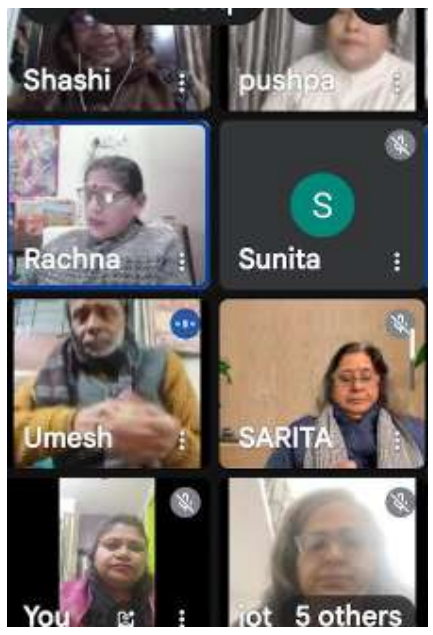

प्रयागराज। शहर समता विचार के तत्वाधान में आयोजित काव्य गोष्ठी एवं महिला विशेषांक का लोकार्पण गूगल मीट द्वारा शहर समता विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उस आयोजन के मुख्य अतिथि उमेश श्रीवास्तव रहे। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सीमा गुप्ता द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में अनीता दुबे, आशा जाकड़, सरिता कपूर डॉ कुमकुम शुक्ला, श्रद्धा श्रीवास्तव, सुनीता मिश्रा, सुनीता जौहरी, रेणुका पटेल, पुष्पा सिंह, छाया सक्सेना प्रभु, प्रभजोत कौर संतोष मिश्रा, अनीता पांडा, डा. मीना परिहार। सभी रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

3 दशक से बनी सरकारी नाली को पाटकर किया गया है कब्जा

–राहगीरों को हो रही परेशानी दबंगों की दबंगई चरम सीमा पर प्रशासन भी नहीं ले रहा संज्ञान

प्रयागराज। झूसी स्थित वार्ड नं0–50 कटका (पूर्वी) निकट कटका चौराहा के दाहिनी ओर जोखू यादव मार्ग के अंदर को कुछ लोगों ने गिट्टी, बालू व सीमेन्ट से पाट दिया गया है जिसे तत्काल खुलवाये जाने तथा विरुद्ध लोगों के खिलाफ प्रशासन से कार्यवाही करने की वहां के रहने वाले लोगों ने मांग की है।

जहां एक तरफ सरकार का अपने जनता जनार्दन को अच्छा रोड और स्वच्छता के लिए साफ सुधरी नाली की व्यवस्था बनाई जाने की अपील की गई है वही झूसी के कटका में कुछ दबंगों ने रास्ते को ईट पत्थर से नाली को पाट कर उसे अपने कब्जे में लिया हुआ है जिसे कुछ लोगों ने समझने की कोशिश की तो उन्हें धमकी दे दिया गया है इसके तहत लोगों ने जिलाधिकारी को तथा पुलिस प्रशासन को भी पत्र देकर अवगत कराया है परंतु अभी तक नाली की कोई निरीक्षण करने तक नहीं गया। लोगों का कहना है कि गिट्टी, बालू व सीमेन्ट के साथ रास्ते और नाली को पाट दिया गया है जिससे मुहल्ले के आम नागरिकों का पानी निकासी बन्द हो गया है। इस नाली का नगर निगम, प्रयागराज द्वारा भी वर्ष–2023 में रिपेयर कर नाली के ऊपर पटिया भी बनवाया गया था। नाली पाटने के बाद पटिया बगल रखी गई थी जो फोटो में दिखाई दे रहा है मुहल्ले वालो ने कहा कि दबंगों का कहना है कि भाग जाओं नही तो जिन्दा नही बचोगे। ये लोग दबंग एवं आपराधिक प्रवृत्ति के लोग है। इनके द्वारा अपने घर के पश्चिम साइड रलवे की जमीन भी बेचकर कब्जा कराकर कई लोगो का मकान बनवा दिया गया है और कई लोगों का निर्माणाधीन है। जिसकी जांच कराने पर कई राज खुल सकते हैं इसी वजह से मुहल्ले के लोग इनके सामने आने से कतराते है। मुहल्ले के लोगों ने उपरोक्त सरकारी पाटी गयी नाली एवं सड़क को तत्काल खुलवाने तथा संबंधित के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।

उत्तर मध्य रेलवे

No. EL/Const/NCR/70 Dated 05/01/2026

सार्वजनिक अधिसूचना

उत्तर मध्य रेलवे के मेजा रोड स्टेशन के पूर्ण हो चुके खंड पर स्थित रेलवे लाइन और परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि रेलवे लाइन के नीचे दिये हुए खंड में 2x25 केवी मेजा रोड एसपी को 10.02.2026 को या उसके बाद चालू किया जाएगा। इस तिथि से या उसके बाद से मेजा रोड एसपी को हर समय ऊर्जित माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति मेजा रोड एसपी के पास नहीं जाएगा या उसके आसपास काम नहीं करेगा।

ऊर्जीकरण करने की तिथि : 10.02.2026

Section	KM/Locatoin/Chainage	
	From	To
उत्तर मध्य रेलवे के मौजूदा मार्ग पर कानपुर से पंडित दीन दयाल उपाध्याय खंड के बीच गति को 160 किमी प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के संबंध में नए 2x25 केवी मेजा रोड एसपी का ऊर्जीकरण।	मेजा रोड 787/30	मेजा रोड 787/34

33/26 (AS)

CPRONCR | North central railways | cpronorly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.-MECH-ONF-UPGD-ART-25 दिनांक : 05.01.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (ओ. & एफ), उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए पर्याप्त अनुभव और वित्तीय क्षमता वाले प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र में खुली ई-निविदाएं, निविदा समाप्ति तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण इस प्रकार है:-

ई-निविदा सूचना सं.: MECH-ONF-UPGD-ART-25, कार्य का नाम: दुर्घटना राहत ट्रेन (एआरटी) के रेस्ट वैन का अपग्रेडेशन कार्य।	
निविदा मूल्य : ₹ 49,83,241.96	बोली सुरक्षा/बयाना राशि : ₹ 99,700/-
निविदा प्रणाली: सिंगल पैकेट सिस्टम	ई-निविदा प्रपत्र की लागत: ₹ शून्य
कार्य अवधि : 06 माह।	निविदा बंद होने की तिथि: 27.01.2026, 15:00
IRESP वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 05.01.2026	

नोट: (1) उपरोक्त ई-निविदा की निविदा पुस्तिका सहित संपूर्ण जानकारी प्रकाशन की तिथि से IREPS वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। (2) ऑनलाइन ई-निविदा केवल IREPS वेबसाइट पर निविदा समापन की नियत तिथि को 15:00 बजे तक ऑनलाइन प्रस्तुत की जा सकती है। (3) उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। (4) न्यूनतम पात्रता मानदंड: इस निविदा में लागू नहीं है। (5) किसी भी कठिनाई के मामले में आईआरईपीएस की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 36/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

कल्की पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम की माता जी की पुण्यतिथि के पावन अवसर पर मानव सेवा और करुणा का अनुपम दृश्य

मुजफ्फरनगर। कल्कि धाम, संभल में कल्की पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम कल्कि फाउंडेशन के संस्थापक की माता जी की पुण्यतिथि के पावन अवसर पर मानव सेवा और करुणा का अनुपम दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल सहित अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। शीत ऋतु के इस समय में आयोजित यह सेवा कार्य न केवल भौतिक सहायता का माध्यम बना, बल्कि समाज में संवेदना, सहयोग और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का संदेश भी देता नजर आया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, श्रद्धालु और समाजसेवी इस पुनीत कार्य के साक्षी बने।

कार्यक्रम के दौरान कल्की पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की वास्तविक सेवा वही है, जिसमें सबसे कमजोर और जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में राहत पहुंचाई जा सके। उन्होंने कहा कि जिनके पास सामर्थ्य है, उन्हें आगे बढ़कर गरीबों, असहायों और पीड़ितों की मदद करनी चाहिए, क्योंकि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। उन्होंने अपनी माता जी की पुण्य स्मृति में किए जा रहे इन कार्यों को जीवन मूल्यों से जोड़ते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज को सकारात्मक दिशा देते हैं।

इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी राजा सैफी ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि आचार्य प्रमोद कृष्णम के सानिध्य में रहकर उन्होंने समाज सेवा का वास्तविक अर्थ समझा है। उनके अनुसार आचार्य जी न केवल स्वयं सेवा कार्य करते हैं, बल्कि दूसरों को भी सदैव पुनीत और कल्याणकारी कार्यों के लिए प्रेरित करते रहते हैं। राजा सैफी ने यह भी कहा कि गरीब, मजलूम और जरूरतमंद लोगों के लिए कार्य करना उनका नैतिक दायित्व है और वे आगे भी इस मार्ग पर निरंतर चलते रहेंगे।

कुल मिलाकर यह आयोजन केवल एक पुण्यतिथि कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि सामाजिक एकता, करुणा और सेवा भावना का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया, जिसने उपस्थित सभी लोगों को मानवता के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण कराया। 'नादिर राणा लेखक एवं सामाजिक कार्यकर्ता मुजफ्फरनगर'

कोर में कर्षण प्रणाली के कार्य हेतु दर अनुसूची पुस्तिका का विमोचन

प्रयागराज। केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज के महाप्रबन्धक एवं अपर सदस्य/रे.वि./ रेलवे बोर्ड श्री रामेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में दिनांक 06.01.2026 को रेलवे बोर्ड में 1•25 के.वी. ए.सी. प्रणाली के कार्य हेतु दर अनुसूची पुस्तिका का विमोचन किया गया। साथ ही कोर मुख्यालय प्रयागराज में वर्चुअल माध्यम से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/कोर श्री संजय सिंह नेगी द्वारा दर अनुसूची को बनाने में शामिल अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में पुस्तिका का अनावरण किया गया। पूर्व में ओ.एच.ई एवं कर्षण उप–केंद्र से संबंधित दरें क्रमशः वर्ष 2006 एवं 1994 में जारी की गई थीं, जिनका अद्यतन किया जाना अत्यंत आवश्यक हो गया था। यह संशोधित दर अनुसूची (एस.ओ.आर.) 1.25 के. वी. ए.सी. कर्षण प्रणाली से संबंधित बड़े एवं छोटे सभी कार्यों को सम्मिलित करते हुए व्यापक रूप से तैयार की गई है, जिसमें नवीनतम तकनीकी, वित्तीय, लागत–संबंधी परिवर्तनों एवं नवीन कर प्रणाली को समावेशित किया गया है।

यह भारतीय रेलवे में रेल विद्युतीकरण और कर्षण वितरण विनिर्माण से संबंधित है। संपूर्ण संशोधन प्रक्रिया पिछली बार की 1300 दिनों की तुलना में मात्र 135 दिनों की बहुत कम अवधि में पूरी की गई है। इसे बनाने हेतु पुरे भारतवर्ष के लगभग 450 से अधिक मान्य वेंडरों से बाज़ार सर्वेक्षण किया गया जो की एक कठिन कार्य था। एस ओ आर को अंतिम रूप से तैयार होने के बाद भी इसकी तकनीकी और वित्तीय अधिकारियों की दो टीमों द्वारा गहन तकनीकी और वित्तीय जांच कर औपचारिक रूप से जारी किया गया है।

इस संशोधन से भारतीय रेल की विद्युतीकरण परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया में बहुत तेजी आएगी और राजस्व में भारी बचत होगी। परियोजनाओं को समयबद्ध एवं त्वरित गति से पूर्ण करने में सहायता मिलेगी। इसकी सराहना रेलवे बोर्ड के उच्च अधिकारियों द्वारा की गयी है। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक/गति शक्ति/रेलवे बोर्ड–श्री जीतेंद्र कुमार, सचिव/म.प्र./कोर–नरेन्द्र चौधरी, उप मु. वि.अभि.–श्री आलोक बिहारी अग्रवाल, उप वि.स. एवं मुलेधि–प–श्री कौशल कुमार श्रीवास्तव, उप वि.स. एवं मुलेधि–प–श्री अजय कुमार लाल श्रीवास्तव तथा जन संपर्क अधिकारी श्री विमल कुमार उपस्थित रहे ।

नाट्य समारोह के तीसरे दिन उजबक राजा तीन डकैत का शानदार मंचन संपन्न

प्रयागराज। साइंटिफिक एंपावरमेंट ऑफ डेवलपमेंट सोसाइटी के नाट्य समारोह के तीसरे दिन जबलपुर से आए कलाकारों द्वारा उजबक राजा तीन डकैत नाटक का मंचन किया गया। सर्वप्रथम संस्कार भारती के संस्थापक कलाऋषि पद्मश्री बाबा योगेंद्र के चित्र के समक्ष पुष्पार्चन कर उनको याद किया एवं आज के मुख्य वक्ता व मुख्य अतिथि युद्ध वीर सिंह द्वारा उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया। नाट्य मंचन के अवसर पर विख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, दीपक शर्मा, सुशीलराय प्रेमलता मिश्रा, ज्योति मिश्रा, सुदेश शर्मा तेजेंद्र सिंह आदि विशिष्ट अतिथियों ने पुष्पार्पण किया। संचालन सुषमा शर्मा का रहा। नाटक का लेखन अलकनंदन का है और नाटक को संचय गर्ग ने निर्देशित किया। नाटक में यह भी दिखाया गया है कि आज देश दुनिया में ढेरों मल्टीनेशनल कंपनियां किस्म – किस्म की ठगी कर रही है टीवी सिनेमा और भ्रामक विज्ञापनों का सहारा लेकर सैकड़ो गैर जरूरी चीज बेच रही हैं । हमारे खान–पान रहन–सहन सभ्यता और संस्कृति के इर्द–गिर्द एक झूठा जादू तिलस्म रच चुका है ,उनके जादुई संसार में सब फंसे हुए हैं हम देशी खान–पान पहनावा अपनी भाषा ,बोली सब भूलते जा रहे हैं। बच्चे दाल– चावल, रोटी– सब्जी खाना छोड़कर मैगी ,पिज्जा ,बर्गर और कोल्ड ड्रिंक से अपना पेट भर रहे हैं हास्य व्यंग्य विनोद गीत संगीत के माध्यम से इस सामाजिक दुर्दशा पर केंद्रित है नाटक उजबक राजा तीन डकैत। मंच पर राजा की भूमिका में दविंदर सिंह ग्रोवर ने शानदार अभिनय कर दर्शकों की खूब प्रशंसा बटोरी । ठगों की भूमिका में विनय शर्मा पराग तेलंग और आत्मानंद श्रीवास्तव ने अपनी भाव भंगिमाओं और अदायगी से न सिर्फ अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय किया अपितु नाटक को निरंतर गतिमान बनाए रखा।अन्य पात्रों में मानसी सोनी ,देवेंद्र झरिया, वैष्णवी बरसैया,अनिल पाली, अरमान गुप्ता ,राजवर्धन पटेल, भूमिका झरिया ,समीर सराठे और उन्नति तिवारी ने अपने अभिनय और अदाएगी से दर्शकों का मन मोह लिया।

लखनऊ हवाई अड्डे के पास की मीट की दुकानें हटेंगी

लखनऊ (संवाददाता)। सुरक्षित हवाई संचालन के लिए चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डे के आसपास की मीट की दुकानों को हटाया जाएगा। एयरपोर्ट के चारों ओर अवैध निर्माण, हवाई यातायात में बाधा डालने वाले पेड़ों और इमारतों की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। ये निर्णय मंडलायुक्त की अध्यक्षता में हवाई अड्डे के टर्मिनल–2 स्थित सभागार में हवाई अड्डा पर्यावरण प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण बैठक में लिए गए। सीसीएसआई हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत को बताया कि एयरपोर्ट अथॉरिटी की भूमि पर लोग खेती कर रहे हैं। साथ ही बड़ी संख्या में पक्षी हवाई अड्डे के पास के क्षेत्र में उड़ते रहते हैं।

हिन्दी कहती फूल

(कुण्डलिया)

चीनी कहते हैं 'हुआ', स्पेनिश कहता 'फ्लोर'।
'फ्लावर' अंग्रेजी कहे, करे न कोई शोर।
करे न कोई शोर, 'पुष्प' संस्कृत है कहता।
डच कहते हैं 'ब्लोम', सदा जो खुशबू भरता।
सुन लो कहें प्रदीप,बात है भीनी–भीनी।
हरि का है वरदान, बताते भारत–चीनी।।

खिलता है जो हर समय, मौसम के अनुकूल।
गुजराती 'फूला' कहें, हिन्दी कहती फूल।
हिन्दी कहती फूल, 'फुला' पंजाबी कहते।
तेलगु मे बन 'पुव्व',सुगन्धित जग को करते।
सुन लो कहें प्रदीप, नाम कोई हो इसका।
मौसम के अनुरूप, हमेशा हँसकर खिलता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

जाम से परेशान जनता पूछ रही सवाल कब स्थानान्तरित होगा चारबाग का बस अड्डा

लखनऊ (संवाददाता)। चारबाग बस टर्मिनल को नवीन मूर्तरूप प्रदान करने के लिए कार्य शुरू हो चुका है और गतिपूर्वक चल रहा है। जिसके लिए बस अड्डे के निकास द्वार को पूरी तरह से बंद किया जा चुका है। जिसके कारण तथा विभागीय अव्यवस्था के चलते वहां हर समय जाम की भीषण स्थिति बनी रहती है। पीक आवर में तो स्थिति बद से बदतर हो जाती है। मात्र दो सौ मीटर की दूरी को पार करने में एक घंटे से अधिक का समय लग रहा है। बस अड्डे के पूरी तरह से शिफ्ट न होने के कारण यहां यात्रियों के लगातार पहुंचने के कारण प्रवेश द्वार से ही बसों का आवागमन चालू रखा गया है। इसके बाद तमाम रोडवेज की बसों के साथ डग्गामार वैन और कारें भी सड़क पर ही खड़ी रहती है। जो विभागीय अधिकारियों पुलिस प्रशासन के अलावा अन्य सभी को आसानी से दिखायी देती है। जिसकी वजह से सड़क पर आसपास का यातायात पूर्णरूप से बाधित होने लगता है। चारबाग के जाम के चलते लोग चारबाग से मेंट्रो पकड़ने बजाय दुर्गापुरी से ही मेट्रो पकड़ना अधिक पसंद कर रहे है। बस अड्डे के आसपास यातायात को सुचारु रूप को संचालित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस के साथ–साथ नाका थाने की पुलिस को भी कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।

यूपी में प्रशासनिक फेरबदल, 20 आईपीएस का हुआ तबादला

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश में एक बार फिर बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किए गए हैं। जिसके तहत 20 आईपीएस के तबादले किए है। लखनऊ कमिश्नरेट से अमित वर्मा का हटा कर अपर्णा को संयुक्त पुलिस आयुक्त बनाया गया है। शासन द्वारा बुधवार को जारी आदेश के अनुसार प्रयागराज जोन के अपर पुलिस महानिदेशक को हटाया गया है, जबकि लखनऊ पुलिस आयुक्तालय के भी अधिकारियों के तबादले किये गये हैं। सूत्रों के अनुसार लखनऊ आयुक्तालय के संयुक्त पुलिस आयुक्त अमित वर्मा को उनके पद से हटाकर नयी जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी किरण एस को लखनऊ रेंज का पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है। पीटीएस जालौन में लंबे समय से तैनात ज्योति नारायण को प्रयागराज जोन का अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। इसके साथ ही विजय ढुल को प्रयागराज पुलिस आयुक्तालय में अपर पुलिस आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है। जारी आदेश के तहत रामकुमार को अपर पुलिस महानिदेशक लॉजिस्टिक्स, राजकुमार को अपर पुलिस महानिदेशक मानवाधिकार तथा डॉ. संजीव गुप्ता को अपर पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय, लखनऊ बनाया गया है। प्रशांत कुमार को एडीजी प्रशासन और तरुण गाबा को एडीजी सुरक्षा, उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

भगवान गलती करें तो कहां जाये लोग?

नामचीन अस्पताल और मरीज के पेट में भूल गए सर्जिकल औजार, 13 डॉक्टर्स पर केस दर्ज

लखनऊ (संवाददाता)। लोग डॉक्टर्स को भगवान का दर्जा देते हैं। उन्हें भरोसा होता है कि एक वही हैं जो उनकी जान बचा सकते हैं लेकिन जब डॉक्टर ही मरीज की जान से खिलवाड़ करने लगे तो उसे क्या कहिएगा। यूपी की राजधानी लखनऊ में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जहां एक प्राइवेट हॉस्पिटल में मरीज के साथ ऑपरेशन के दौरान बड़ी लापरवाही हुई। लखनऊ के एरा अस्पताल में डॉक्टर्स सर्जरी के वक्त मरीज के पेट में ही सर्जिकल औजार भूल गए। डॉक्टर्स की ये लापरवाही स्वास्थ्य सेवाओं पर कई सवाल खड़े कर रही है। ये मामला बाहर आया कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने अस्पताल के 13 डॉक्टर्स और दो मालिकों के खिलाफ एफआईआरदर्ज की।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0: पीआरवाईजे-सिग-037-2025-26 दिनांक: 06.01.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/ समन्वय/ उत्तर मध्य रेलवे/ प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 30.01.2026 को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.	निविदा नं.	कार्य का विवरण
1	पीआरवाईजे-सिग-037-2025-26	विशेष अवसरों पर सभागार और अन्य स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए सार्वजनिक संबोधन उपकरणों का प्रावधान।
	अनुमानित मूल्य (रू.): 53,35,449/-	बिड सिक्योरिटी (रू.): 1,06,700/-
	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.): 0/-	कार्य समापन की अवधि: 06 माह
	निविदा बंद होने की तिथि: 30.01.2026	
2	निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।
3	बयाने की राशि जमा करना एवं उसका रूप: निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्योरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्योरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्योरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह 3090 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्योरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।	
4	निविदा खुलने का समय, तिथि एवं स्थान	निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।
5	निविदा की वैधता	निविदा खुलने के 60 दिन तक
6	निविदा हैंडलिंग हेतु रेलवे के अधिकार	रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।
7	उसी प्रकृति के कार्य के लिए न्यूनतम	एनी वर्क इनवाल्विंग लेयिंग एण्ड ज्वाइन्टिंग आफ एनी अन्डर ग्राउन्ड टेलीकॉम केबिल्स आर लेयिंग एण्ड स्पलाइसिंग ओ एफ सी आर अगमेन्टेशन ऑफ टेलीकाम फेसिलिटीज। 40/26 (ADM)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.....

वेनेजुएला पर हमला

पिछले लंबे समय से डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर रहे वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी हमले के बाद गिरफ्तार करना निस्संदेह, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। वैसे आरोप मादुरो पर लगे कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को खोखला किया, असहमतियों को कुचला और लाखों लोगों को निर्वासन के लिये मजबूर किया। उन पर चुनाव में धांधली और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन वैश्विक कूटनीति के जानकार मानते हैं कि ट्रंप के इस दांव का लक्ष्य तानाशाही के पीड़ितों को न्याय दिलाने या इस देश की संप्रभुता की रक्षा के बजाय वेनेजुएला के समृद्ध तेल भंडारों पर नियंत्रण हासिल करना ज्यादा रहा है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका द्वारा सैन्य अभियान चलाकर देश से बाहर किसी शासनाध्यक्ष को गिरफ्तार करना तथा वहां की सत्ता को वाशिंगटन से संचालित करना निश्चय ही साम्राज्यवादी सोच का ही पर्याय है। निस्संदेह, इस अमेरिकी निरंकुशता के गहरे भू–राजनीतिक परिणाम सामने आएंगे। यहां तक कि मादुरो का विरोध करने वाले अमेरिका के सहयोगी देश भी, अब मुखर होकर चेतावनी देने लगे हैं। रूस और चीन इस अमेरिकी कार्रवाई को नियम–कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये खतरा बता रहे हैं। वहीं वेनेजुएला के इस घटनाक्रम ने चीन को अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर अमेरिकी आलोचना को बेअसर करने का भरपूर मौका दे दिया है। जिससे ताइवान की चिंताएं बढ़ सकती हैं। अमेरिका के इस कृत्य ने इराक और अफगानिस्तान में हमले व सेना की तैनाती की यादें ताजा कर दी हैं। ऐसे युद्ध जो अमेरिकी आत्ममुग्धता और अति– आत्मविश्वास से शुरू हुए, लेकिन उनका समापन अपमानजनक विदाई से हुआ। लेकिन इन हमलों के बाद वे देश कभी सामान्य नहीं रह पाए। वहीं ट्रंप की यह दलील कि मादुरो को पकड़ने के लिये चलाए अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, उसके प्राकृतिक संसाधनों पर अमेरिकी नियंत्रण की मंशा को ही दर्शाता है। वहीं अमेरिका ने यह स्पष्ट नहीं किया कि सुशासन, सुरक्षा के लिये वेनेजुएला की जनता की आकांक्षाओं वाले किस नेता को सत्ता हस्तांतरण किया जाएगा। भारत भी उन देशों में शामिल है, जिन्होंने घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की है। जो सही मायनों में भविष्य की वैश्विक चिंताओं के अनुरूप ही है। बहरहाल, देर–सवेर ट्रंप को अहसास होगा कि एक निरंकुश शासक को हटाना आसान है, लेकिन उस देश में दीर्घकालिक शांति–स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है।

पाकिस्तान को लेकर हमारी प्रतिक्रियाएं अब बदल रही हैं

लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन

भारत के लिए चुनौती यह है कि वह पाकिस्तान के इन संकेतों का जवाब कैसे दे, जिससे तनाव भी ना बढ़े और यह भी नहीं दिखे कि वह चुपचाप बैठा है। परमाणु ध मकियों के कारण यदि पारंपरिक और मिश्रित प्रतिक्रियाएं भी रोक दी जाएं तो यह पाकिस्तान की प्रॉक्सी युद्ध की रणनीति को और प्रभावकारी बनाता है।

भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में अस्थिरता कायम है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही दोनों में कोई बड़ी लड़ाई, कूटनीतिक संबंधों में नाटकीय विच्छेद या लंबा सैन्य तनाव नहीं हुआ है, फिर भी रणनीतिक माहौल में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। जो नियम कभी संकट के वक्त लागू होते थे– वे बदल रहे हैं। दोनों देश इस नई वास्तविकता के प्रति खुद को ढाल भी रहे हैं। भारत के लिए वही सवाल आज भी कायम है कि पाकिस्तान प्रायोजित हिंसा अगली बार बर्दाश्त से बाहर हुई तो हम कैसी प्रतिक्रिया देंगे? हाल में दिल्ली में हुए कार ब्लास्ट ने चिंताएं और बढ़ा दी हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह षड्यंत्र और व्यापक रूप ले सकता था, लेकिन उसे बीच में ही रोक दिया गया। ऐसे में उपरोक्त सवाल का जवाब घोषणाओं नहीं, हालिया अनुभवों और पाकिस्तान में हो रहे बदलावों में छिपा है। इसे समझने के लिए ऑपरेशन सिंदूर सबसे अहम संदर्भ है। इसने हमारे माइंडसेट को उजागर किया। भारत ने दिखाया कि वह परमाणु सीमा में रहते हुए संतुलित सैन्य बल इस्तेमाल करने को तैयार है। इसमें राजनीतिक मंजूरी जल्द मिल जाती है और लक्ष्य भी सीमित होते हैं। संदेश यह था कि आतंकवाद के जवाब में भारत अब महज संयम पर ही निर्भर नहीं रहेगा।उतना ही महत्वपूर्ण यह जानना भी है कि ऑपरेशन सिंदूर ने कौन–से संकेत नहीं दिए। भारत छोटे ऑपरेशन, तय समय सीमा और सैन्य तनाव में बढ़ोतरी के ऐसे तरीकों में नहीं बंधा, जिनका पूर्वानुमान लगाया जा सकता हो। कहीं भी यह नहीं कहा गया कि भविष्य में सैन्य कार्रवाई प्रतीकात्मक या निश्चित अवधि वाली होगी। यह अस्पष्टता भी मायने रखती है। यदि विरोधी पहले ही जान ले कि जवाबी कार्रवाई कैसे, कब और कितनी देर में होगी तो वह उसे अपने आकलन में शामिल कर सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जानबूझकर ऐसे सवालों को अनुत्तरित छोड़ा गया था। जब भारत प्रतिक्रिया को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर रहा था तो पाकिस्तान के भीतर भी बदलाव चल रहे थे। पाकिस्तानी संविधान में प्रस्तावित 27वां संशोधन महज एक कानूनी बदलाव नहीं है। सेना प्रमुख को चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस बनाना, सेना के सामूहिक ढांचे को समाप्त करना और परमाणु कमान को पूरी तरह सैन्य नियंत्रण में लाना– यह बताता है कि सारा नियंत्रण अब शीर्ष पर केंद्रित हो रहा है। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह पाकिस्तान के इन संकेतों का जवाब कैसे दे, जिससे तनाव भी ना बढ़े और यह भी नहीं दिखे कि वह चुपचाप बैठा है। परमाणु धमकियों के कारण यदि पारंपरिक और मिश्रित प्रतिक्रियाएं भी रोक दी जाएं तो यह पाकिस्तान की प्रॉक्सी युद्ध की रणनीति को और प्रभावकारी बनाता है। इसलिए प्रतिरोध का मतलब है कि भारत दिखाए परमाणु हमले की धमकियां उसके विकल्पों पर पूर्ण विराम नहीं लगातीं। इसका मतलब अनावश्यक तनाव बढ़ाना नहीं, कार्रवाई की स्वतंत्रता बनाए रखना है। कश्मीर इस पूरे बदलाव का केंद्र बना हुआ है। हाल के वर्षों में कश्मीर घाटी की तुलना में जम्मू, खासकर रजौरी, पुंछ और कठुआ में अधिक हिंसा हुई है। यह मायने रखता है। पाकिस्तान का सियासी नैरेटिव और उसकी अंतरराष्ट्रीय स्थिति जम्मू के बजाय कश्मीर के इर्द–गिर्द घूमती है। घाटी में लंबे समय की शांति उस मुद्दे पर पाकिस्तान की प्रासंगिकता घटाती है, जिसे वह अपनी पहचान का मूल मानता है। पहलगाम हमला इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। यह किसी सतत अभियान की शुरुआत से ज्यादा ऐसे वक्त में कश्मीर में फिर से मौजूदगी दिखाने का प्रयास लगता है, जब वहां पर्यटन, नागरिक गतिविधियां और सामान्य स्थिति की भावना मजबूत हो रही थी। इतिहास गवाह है कि जब भी पाकिस्तान को कश्मीर में अपनी प्रासंगिकता घटती महसूस हुई, उसने खुले टकराव के बजाय सीमित तौर पर व्यवधान पैदा करने वाली हरकतों का सहारा लिया। स्पष्ट है कि भारत–पाकिस्तान रिश्ते किसी जरूरी टकराव की ओर नहीं बढ़ रहे हैं, लेकिन वे बदली हुई मान्यताओं के तहत संचालित हो रहे हैं। भारत ने बिना कोई सीमा तय किए जवाबी कार्रवाई की इच्छाशक्ति दिखाई है तो पाकिस्तान ने प्रॉक्सी रणनीति पर निर्भरता समाप्त किए बिना केंद्रीकरण के जरिए ताकत दिखाने का प्रयास किया है। आज पाकिस्तान के प्रतिरोध का मतलब है भारत यह दिखाए कि परमाणु हमले की धमकियां उसके विकल्पों पर पूर्ण विराम नहीं लगातीं। इसका मतलब अनावश्यक तनाव बढ़ाना नहीं, बल्कि कार्रवाई की अपनी स्वतंत्रता बनाए रखना है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बिना मुकदमें के कैद, लोकतंत्र कहां है

ललित गर्ग

वेनेजुएला संकटः अमेरिकी निरंकुशता और वैश्विक कानूनों का हनन

वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था वास्तव में नियम–कानूनों से संचालित होती है या फिर ताकतवर राष्ट्रों की इच्छा ही वैश्विक न्याय का नया मानदंड बन चुकी है। निश्चित तौर पर वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला महाशक्तियों की निरंकुशता को दर्शा ही रहा है, यह वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण भी है, जो अमेरिकी दादागिरी का त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण संकेत है, वह केवल लैटिन अमेरिका तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि समूची दुनिया के लिये एक खतरनाक मिसाल है। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया है, उससे जुड़े कूटनीतिक, राजनीतिक और अन्तराष्ट्रीय कानून संबंधी सवाल जो खडेद्य हुए ही हैं, पर अमेरिका को हस्तक्षेप का अवसर देने के लिये मादुरो की नीतियां भी चर्चा में आई हैं। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की वजहें हो सकती है, लेकिन ट्रंप को यह तो सुनिश्चित करना ही होगा कि यह राष्ट्र अस्थिरता का अड्डा न बन जाये।

अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को वैश्विक शांति का मसीहा घोषित करते नहीं थकते, लेकिन उनकी नीतियां और कार्रवाइयाँ बार–बार युद्ध, हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन की मानसिकता को उजागर करती हैं। यह वही अमेरिका है जो एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और संप्रभुता की दुहाई देता है, तो दूसरी ओर एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। इस तरह की दोहरी नीतियां केवल विडंबनापूर्ण नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिये घातक है। वेनेजुएला संकट को केवल मादुरो बनाम अमेरिका के टकराव के रूप में देखना वास्तविकता को सरलीकृत करना होगा। इसमें संदेह नहीं कि मादुरो सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन, दमनकारी नीतियों, चुनावी अनियमितताओं और मानवाधिकार हनन जैसे गंभीर आरोप रहे हैं। लाखों वेनेजुएलावासी देश छोड़ने को मजबूर हुए, अर्थव्यवस्था चरमरा गई और जनता त्रस्त हुई। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि किसी देश की आंतरिक विफलताओं को आधार बनाकर बाहरी सैन्य हस्तक्षेप को वैध ठहराना अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की आत्मा के विरुद्ध है। यदि यही मापदंड हो, तो दुनिया के अनेक देशों में बाहरी हस्तक्षेप का अंतहीन सिलसिला शुरू हो सकता है।

दरअसल, वैश्विक कूटनीति के जानकारों का मानना है कि वेनेजुएला के मामले में अमेरिका की असली चिंता न लोकतंत्र है और न ही मानवाधिकार, बल्कि वहां के विशाल तेल भंडार हैं। वेनेजुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर बैठा देश है और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान इसके उदाहरण हैं, जहां 'लोकतंत्र स्थापना' के नाम पर हस्तक्षेप हुआ, लेकिन परिणामस्वरूप अस्थिरता, गृहयुद्ध और मानवीय संकट ही पैदा हुआ। ट्रंप का यह बयान कि मादुरो को पकड़ने के अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, इस पूरे घटनाक्रम की मंशा को बेनकाब करता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि यह कार्रवाई न्याय या नैतिकता से नहीं, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण की साम्राज्यवादी सोच से प्रेरित है। किसी देश के प्राकृतिक संसाधनों पर इस तरह दावा करना उपनिवेशवादी मानसिकता का आधुनिक संस्करण है।

इस अमेरिकी कार्रवाई के भू–राजनीतिक परिणाम भी गहरे और दूरगामी होंगे। रूस और चीन ने इसे नियम–आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये गंभीर खतरा बताया है। मादुरो के आलोचक रहे कुछ अमेरिकी सहयोगी देश भी अब खुलकर चिंता जता रहे हैं। यह संकट वैश्विक ध्रुवीकरण को और तेज कर सकता है। विशेष रूप से चीन को इस घटनाक्रम से अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं, विशेषकर ताइवान पर अमेरिकी आलोचना को कमजोर करने का अवसर मिल सकता है। यदि अमेरिका स्वयं संप्रभुता का उल्लंघन करता है, तो वह दूसरों को किस नैतिक आधार पर संयम की सलाह देगा? वेनेजुएला संकट का एक और चिंताजनक पहलू वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला प्रभाव है। तेल उत्पादन और आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता का सीधा असर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों पर पड़ता है।

तेल कीमतों में उछाल पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर सकता है, विशेषकर विकासशील देशों को। भारत जैसे देशों के लिये यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है, जहां ऊर्जा आयात पर निर्भरता अधिक है। यही कारण है कि भारत ने इस घटनाक्रम पर संतुलित रुख अपनाते हुए चिंता व्यक्त की है और दोनों पक्षों से संवाद व कूटनीतिक समाधान की वकालत की है।

भारत का यह दृष्टिकोण न केवल व्यावहारिक है, बल्कि नैतिक रूप से भी अधिक जिम्मेदार है। युद्ध और हस्तक्षेप किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते। इतिहास गवाह है कि इराक और अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप के बाद अमेरिका को अंततः अपमानजनक विदाई का सामना करना पड़ा, लेकिन वे देश आज भी स्थिरता और शांति से कोसों दूर हैं। युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन शांति और सुशासन स्थापित करना अत्यंत कठिन होता है–यह सत्य अमेरिका बार–बार भूलता रहा है। ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह स्वयं को शांति का अग्रदूत बताता है, लेकिन उसकी हर बड़ी विदेश नीति पहल टकराव और दबाव की राजनीति पर आधारित दिखती है। यह दोहरी मानसिकता न केवल अमेरिका की विश्वसनीयता को कमजोर करती है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की प्रासंगिकता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि शक्तिशाली राष्ट्र अपने हितों के अनुसार नियम तोड़ने लगें, तो वैश्विक व्यवस्था अराजकता की ओर बढ़ेगी।

वेनेजुएला का संकट पूरी दुनिया के लिये एक चेतावनी है। यह बताता है कि आज भी शक्ति–राजनीति मानवता, शांति और कानून से ऊपर रखी जा रही है। जरूरत इस बात की है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इस तरह के एकतरफा हस्तक्षेपों का विरोध करे और संवाद, कूटनीति तथा बहुपक्षीय समाधान को प्राथमिकता दे। किसी भी देश में सत्ता परिवर्तन का निर्णय वहां की जनता को करना चाहिए, न कि विदेशी सेनाओं को।

अंततः, अमेरिका को यह समझना होगा कि किसी 'निरंकुश शासक' को हटाना शायद सैन्य शक्ति से संभव हो जाए, लेकिन किसी देश को स्थायी शांति, स्थिरता और समृद्धि देना केवल टैंकों और बमों से नहीं हो सकता। इसके लिये धैर्य, संवेदनशीलता और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान आवश्यक है। यदि अमेरिका वास्तव में वैश्विक शांति का पक्षधर है, तो उसे अपनी दोहरी नीति त्यागनी होगी। अन्यथा, वेनेजुएला जैसी घटनाएँ बार–बार दोहराई जाएंगी और दुनिया एक और अस्थिर, असुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ती जाएगी।

सिर्फ़ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास

(भाग – 20)

लेखिका –अतिया नूर

मैं मानती हूं समीर ग़लत था, वह हमारी बातें नहीं मानता था। बात नहीं मानने पर बहुत बार मां – बाप को मजबूरन कड़े फ़ैसले लेने पड़ते हैं। कड़े फ़ैसलों से बात बन भी जाती है, नहीं भी बनती। काश कि शेखर ने जो कड़ा फ़ैसला लिया था उससे हमारी बिगड़ी बन जाती! लेकिन हमारी बिगड़ी को तो और बिगड़ना था, शायद ऊपर वाले को यही मंजूर था सो परिस्थितियां और भी जटिल हो गईं। आज मैं सोचती हूं कि काश ! उस समय मुझमें विरोध का साहस होता और मैंने शेखर की इस हरकत का विरोध किया होता, काश और बस काश...।

हम तो अपने घर – गृहस्थी को सजाने में लगे रहे मगर समीर के क़दम बर्बादी की तरफ़ और भी बढ़ते गए।उसे बर्बाद करने वाले उसके दोस्तों की एक लंबी कतार थी। समीर अब इनके जाल में बुरी तरह फंस चुका था। अब तो उसके मां – बाप भी उससे बहुत दूर थे, इतनी दूर कि न वे उसे खाना दे सकते थे और न उसके अच्छे– बुरे में उसका साथ...। जब तक समीर के पास पैसे रहे दोस्तों की दोस्ती क़ायम रही, पैसे ख़त्म होते ही दोस्तों ने समीर से किनारा करना शुरू कर दिया। प्रकाश ने भी उसके पैसे हड़प कर उसे अपनी दुकान से निकाल दिया।

मैं समीर को फ़ोन करती तो वह मुझे रोता हुआ सारी बातें बताता, जब वह मुझे अपने भूखे होने की बात कहता तो मैं तड़प उठती, शेखर से बताती तो उनका एक ही राग रहता कि – मर जाने दो उसे, मैं समीर को अब अपने साथ नहीं रख सकता...। फिर मैंने उसे सच में मरने के लिए छोड़ दिया । समीर कभी ददिहाल तो कभी ननिहाल अपनी बिगड़ी क़स्मित के मुताबिक भटकता रहा। आख़िर उस बच्चे की जिम्मेदारी जिसे उसके मां बाप ने ही दर ब दर कर दिया हो कोई और कितने दिन लेता? सो दादी, नानी का घर भी समीर का स्थाई ठिकाना नहीं बन सका।

समीर से जब मैं फ़ोन पर बातें करती तो शेखर के प्रति उसके मन में उपज रही नफ़रत भरी बातें सुनकर बेचौन हो उठती। मैं कभी नहीं चाहती थी कि – समीर के दिल में किसी के भी प्रति नफ़रत पले और वह कोई घातक क़दम उठाए, या वह विद्रोही स्वभाव का हो जाए। मैंने फ़ोन पर बातें करके उससे कहा कि – बेटा! पापा ने तुमको सुधारने के लिए तुम्हें अलग किया है, उनको ग़लत मत समझो बल्कि अच्छे बनकर दिखाओ। उन्होंने तो तुमको बहुत कुछ दिया अब तुम उन्हें खुशी देने का प्रयास करो। मेहनत करो, मेहनत के दम पर बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है बेटे! धीरे धीरे समीर पर मेरी बातों का असर हुआ और उसने मुझसे वादा किया कि वह बहुत मेहनत करेगा और सब सही कर देगा क्योंकि उसे नेहा को पाना है। मैं उसे समझाती रही कि – अगर तुम्हें नेहा को पाना है तो खूब मेहनत करो, बहुत सारी मेहनत...।

समीर और नेहा दोनों फ़ोन के ज़रिए एक दूसरे से जुड़े थे। नेहा के लेटर और गिफ्ट वगैरह पढ़कर मुझे लगता था कि नेहा भी समीर को बहुत चाहती है। मुझे लगता था कि नेहा की चाहत समीर को फिर से रास्ते पर ला सकती है।

यह सच भी था कि नेहा समीर को बहुत प्यार करती थी, समीर और नेहा दोनों ही अभी टीन एजर्स थे। मैं सोचती थी कि – नेहा एक अच्छी लड़की है अगर सही उम्र होने पर इनका प्यार क़ायम रहा तो इनकी शादी में कोई हर्ज नहीं है। समय के साथ मैं महसूस कर रही थी कि इनका प्यार महज़ आकर्षण नहीं है। दोनों ही एक दूसरे के प्रति सीरियस हैं। मैंने दोनों के दिल में एक दूसरे के लिए तड़प देखी थी, जो समय के साथ बढ़ती ही जा रही थी।

नेहा का प्यार ही था जो कि समीर को ठोकरें खाकर संभलने का हौसला देता जा रहा था। वह दिन मुझे अच्छे से याद है जब समीर ने मुझसे कहा कि वह नए काम के सिलसिले में दिल्ली जा रहा है । मैं परेशान तो बहुत थी मगर मेरे पास समीर का समर्थन करने के सिवा कोई रास्ता नहीं था।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

संयम रखना चाहिए, रखिए मन में आस।
और निराशा का यहाँ, बने कभी मत दास।।
बने कभी मत दास, कर्म बस करते रहिए।
गरजे बादल देख, कभी मत उनसे डरिए।।
कहती रचना आज, मिटेगा जीवन का तम।
संभव मिलना लक्ष्य, रखेगें जब हम संयम।।

रहता मन उल्लास में, रहे निराशा दूर।
मौसम कैसा भी रहे, खुशियों से भरपूर।।
खुशियों से भरपूर, नहीं वह संयम खोता।
आता जब तूफान, निडर तब मानव होता।।
सुन लो रचना आज, लक्ष्य बस इतना कहता।
मंजिल की हो चाह, आस में मन जब रहता।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

रणवीर सिंह की Dhurandhar ने रचा इतिहास! 831 करोड़ के साथ बनी सबसे बड़ी फिल्म, YRF ने सफलता को मील का पत्थर बताया

जाने–माने बैनर यश राज फिल्म्स ने एक तारीफ वाली पोस्ट में टिकट काउंटरों पर इस ड्रामा की शानदार परफॉर्मेंस के लिए पूरी टीम को बधाई दी, जिसमें लिखा था, ध्रुरंधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है... यह भारतीय सिनेमा में एक मील का पत्थर है जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। रणवीर सिंह की लेटेस्ट फिल्म धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अब यह एक ही भाषा में अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। इसे भारतीय सिनेमा में एक मील का पत्थरश बताते हुए, जाने–माने बैनर यश राज फिल्म्स ने एक तारीफ वाली पोस्ट में टिकट काउंटरों पर इस ड्रामा की शानदार परफॉर्मेंस के लिए पूरी टीम को बधाई दी, जिसमें लिखा था, धुरंधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है... यह भारतीय सिनेमा में एक मील का पत्थर है जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। आदित्य धर और जियो स्टूडियोज को अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म (एक ही भाषा में) बनने के लिए बधाई ।

धुरंधर में हमजा अली मजारी का किरदार निभाने वाले रणवीर सिंह ने ल्थ की पोस्ट पर जवाब दिया है। जिन्हें नहीं पता, एक्टर को YRF की 2010 में आई फिल्म बैंड बाजा बारात से अनुष्का शर्मा के साथ पहला बड़ा ब्रेक मिला था। आदित्य चोपड़ा की यश राज फिल्म्स ने धुरंधर की टीम की तारीफ करते हुए एक ओपन नोट पोस्ट किया। नोट में लिखा था, ध्रुरंधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है... यह भारतीय सिनेमा में एक मील का पत्थर है जिसे हमेशा याद रखा जाएगा।

नोट में इस बड़ी उपलब्धि के लिए खास तौर पर आदित्य धर और जियो स्टूडियोज का जिक्र किया गया था। अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म (एक ही भाषा में) बनने के लिए आदित्य धर और जियो स्टूडियोज को बधाई। जहाज के कप्तान के तौर पर, आदित्य धर के मकसद की क्लैरिटी, निडर कहानी कहने के अंदाज और बेहतरीन काम के प्रति अटूट कमिटमेंट ने भारतीय सिनेमा के लिए एक नया बेंचमार्क सेट किया है।

प्रोडक्शन हाउस ने धुरंधर की कास्ट और क्रू को भी बधाई दी। हम इस शानदार फिल्म के हर कास्ट मेंबर और टेक्नीशियन को भी बधाई देते हैं जिन्होंने अपना सब कुछ दिया। आप ही वे धुरंधर हैं जिन्होंने फिल्म के विचार को बड़े पर्दे पर इतनी जोर से और इतनी शानदार तरीके से दिखाया। हमें ऐसा सिनेमा देने के लिए धन्यवाद जो हमें क्रिएटिव एक्सीलेंस की तलाश में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

> “ जहाज के कप्तान के तौर पर, आदित्य धर के मकसद की क्लैरिटी, निडर कहानी कहने के अंदाज और बेहतरीन काम के प्रति अटूट कमिटमेंट ने भारतीय सिनेमा के लिए एक नया बेंचमार्क सेट किया है।

रणवीर सिंह ने YRF की पोस्ट पर दिल वाले इमोजी के साथ जवाब दिया। उन्होंने लिखा, मेरे प्यारे अल्मा मेटर, मैं बस आपको गर्व महसूस कराना चाहता था। यश राज फिल्म्स के लिए 2025 मिला–जुला रहा। जहां ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की वॉर 2 बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई, वहीं नए कलाकार अहान पांडे और अनीता पड्डा की सैयारा हिट हो गई। वाईआरएफ की अगली पेशकश में आलिया भट्ट और शारवरी अभिनीत अल्फा शामिल है, जो 17 अप्रैल, 2026 को रिलीज होगी। इसमें रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 भी पाइपलाइन में है, जो 27 फरवरी, 2026 को रिलीज होगी।

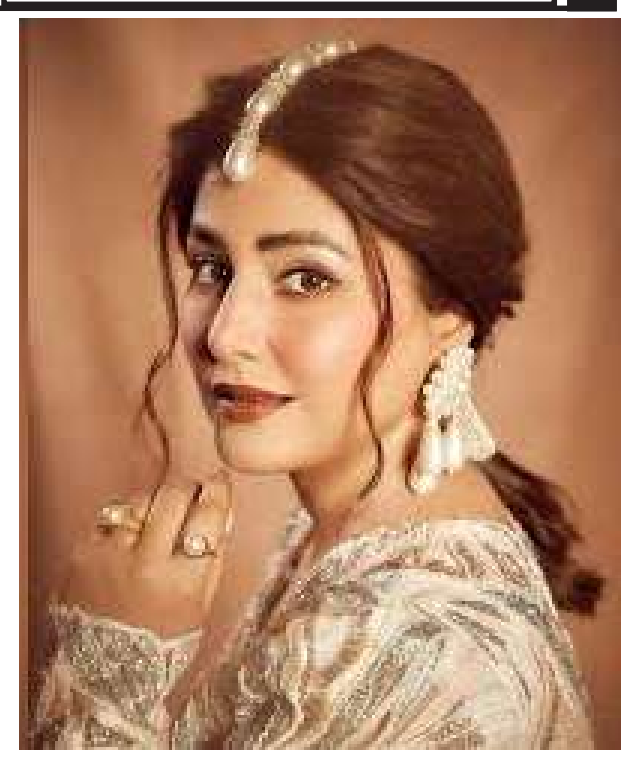

मुंबई की जहरीली हवा में हिना खान का सांस लेना हुआ मुश्किल, भड़ास निकालते हुए बोलीं–सुबह से ही हालत बहुत खराब

दिल्ली के बाद मुंबई का एयर क्वालिटी इंडेक्स भी खतरनाक स्तर तक पहुंच रहा है। लगातार हवा की गिरती क्वालिटी के साथ जन–जीवन काफी प्रभावित हो रहा है। जहरीली हवा में लोगों का दम घुट रहा है। मुंबई में हवा की इस भयानक स्थिति पर हिना खान ने चिंता जताई है और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि वह बढ़ते पॉल्यूशन की समस्या से परेशान हैं और इससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। हिना खान ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें मुंबई में लेटेस्ट एक्यूआई 209 दर्ज किया गया। इस स्टोरी के साथ एक्ट्रेस ने लिखा–क्या हो रहा है? सांस नहीं ले पा रही हूं। बाहर जाना कम कर दिया है। लगातार खांसी हो रही है। सुबह से ही हालत बहुत खराब है। हिना खान ने बताया ,ब्रेस्ट कैंसर से जूझने के कारण यह मेरे लिए और भी चौलेंजिंग है। प्रदूषित हवा की वजह से मेरा बाहर निकलना और शारीरिक तौर पर कोई काम करना भी सीमित हो गया है। यह मेरे जीवन की गतिविधियों पर भी असर डाल रहा है। बता दें, इससे पहले हिना खान ने एक्ट्रेस सोहा अली खान के पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर में पहुंची थी, जहां उन्होंने अपनी कैंसर जर्नी के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि उनका इलाज कठिन रहा और इस दौरान उन्हें अच्छे और बुरे दोनों दिन देखने को मिले। उन्होंने हर तीन हफ्ते में कीमोथेरेपी ली, और कीमो के पहले हफ्ते में उन्हें बहुत दर्द होता था, लेकिन बाकी के दो हफ्ते, वह सामान्य जीवन जीने की कोशिश करती थीं और अपने परिवार और प्रियजनों के साथ वक्त बिताती थीं। एक्ट्रेस ने आगे कहा–देखने का नजरिया बहुत जरुरी है। लोग जैसे ही किसी गंभीर बीमारी का पता लगाते हैं, सोचते हैं कि उनकी जिंदगी खत्म हो गई। मैं भी पहले ऐसा ही सोचती थी, लेकिन एक्सपीरियंस करने के बाद मैंने समझा कि जीवन में बुरे और दर्दनाक दिन जरूर होते हैं, लेकिन अच्छे दिन भी आते हैं, जब आप अपने परिवार और प्यार के बीच सामान्य जीवन जीते हैं। यह संतुलन ही जीवन की खूबसूरती है।

जब राहु–केतु उतरे धरती पर, तो मचा हंसी का महाकाल

जी स्टूडियोज और ब्लाइव प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी फिल्म राहु केतु का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज हो चुका है और आते ही इसने साफ कर दिया है कि दर्शकों को मिलने वाला है एक ऐसा पागलपन भरा सफर, जहां पौराणिक कथाएं टकराएंगी आज के हंगामे से और हंसी के पीछे छुपा होगा एक बड़ा कॉस्मिक मैसेज। चुटीले ह्यूमर, शार्प राइटिंग और दमदार परफॉर्मेंस से भरा यह ट्रेलर एक ऐसी फिल्म का वादा करता है, जो जितनी एंटरटेनिंग है, उतनी ही सोचने पर मजबूर करने वाली भी। ट्रेलर की शुरुआत होती है पियूष मिश्रा की प्रभावशाली आवाज से, जो अपनी खास कहानी कहने की शैली में राहु और केतु के पौराणिक महत्व से दर्शकों को रूबरू कराते हैं। उनकी आवाज लोककथाओं की जड़ों में कहानी को मजबूती से बांधती है और एक ऐसी दुनिया की नींव रखती है, जहां प्राचीन मान्यताएं टकराती हैं आज के मॉडर्न कन्फ्यूजन से।

फिल्म की कमान संभालते हैं पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा, जिनकी कॉमिक टाइमिंग और आपसी केमिस्ट्री ट्रेलर में ही दिल जीत लेती है। पुलकित अपने किरदार में चार्म, चालाकी और अनिश्चितता लेकर आते हैं, जो शॉर्टकट और महत्वाकांक्षा से चलने वाला है। वहीं वरुण शर्मा एक बार फिर साबित करते हैं कि सिचुएशनल कॉमेडी उनका मजबूत हथियार है, जहां उनका फिजिकल ह्यूमर और ऑब्जर्वेशनल कॉमिक सेंस खूब रंग जमाता है। फिल्म की थीम पर बात करते हुए पुलकित सम्राट कहते हैं, "फैंटेसी की दुनिया हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही है। राहु केतु में जो बात मुझे सबसे ज्यादा एक्साइटिंग लगी, वो था इस रंगीन और अराजक यूनिवर्स का हिस्सा बनना, जो पूरी तरह कॉमेडी से जुड़ा है। पौराणिक विचारों को मजेदार और आसान अंदाज में, खासकर बच्चों के लिए, जिंदा होते देखना और उस सफर का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही।" वहीं वरुण शर्मा जोड़ते हैं, "राहु केतु का ह्यूमर पूरी तरह सिचुएशंस और इंसानी कमजोरियों से निकला है। हम सिर्फ लोगों को हंसा नहीं रहे, बल्कि एक आईना दिखा रहे हैं, बस थोड़ा सा पागलपन, ढेर सारी मस्ती और अराजकता के साथ।" शालिनी पांडे ट्रेलर में एक मजबूत और आत्मविश्वासी अवतार में नजर आती हैं। उनका किरदार कहानी को भावनात्मक गहराई देता है और फिल्म की नैतिक रीढ़ को मजबूती से थामे रखता है, जिससे स्क्रीन पर चल रहे पूरे हंगामे को एक ठोस दिशा मिलती है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए शालिनी पांडे कहती हैं, "राहु केतु मेरे करियर के सबसे मजेदार सफरों में से एक रहा है। विपुल विग का विजन बहुत स्पष्ट है, लेकिन वह अपने कलाकारों को अपनी सहज प्रवृत्ति लाने की पूरी आजादी देते हैं, जिससे काम करने का अनुभव बेहद खास बन जाता है। अपने को–एक्टर्स के साथ काम करना शानदार रहा और जी स्टूडियोज व ब्लाइव प्रोडक्शन्स ने जिस भरोसे और जुनून के साथ फिल्म को सपोर्ट किया है, वह स्क्रीन पर साफ झलकता है। मैं दर्शकों के रिएक्शन का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।" सपोर्टिंग कास्ट भी ट्रेलर की जान है। चंकी पांडे अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के साथ एक और यादगार परफॉर्मेंस देते हैं, वहीं अमित सियल अपनी संयमित और गहरी अदायगी से फिल्म के हाई एनर्जी पागलपन को जमीन पर टिकाए रखते हैं। राहु केतु को सबसे अलग बनाता है खुद राहु और केतु का पौराणिक रूप में आगमन, जो कहानी को एक बड़े दार्शनिक स्तर पर ले जाता है। उनकी मौजूदगी फिल्म के मूल संदेश को मजबूती देती हैकृजैसा करोगे, वैसा भरोगेकृऔर यह सब हंसी, अफरातफरी और कॉस्मिक असर के साथ बेहद सहज तरीके से पिरोया गया है। पौराणिकता, कॉमेडी और सामाजिक सोच का यह अनोखा मेल राहु केतु को एक ऐसी सिनेमाई पेशकश बनाता है, जो दिमाग को भी छूती है और दिल को भी हंसाती है। यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

लव फिल्म्स ने 'वध 2' का दमदार नया पोस्टर किया जारी, संजय मिश्रा और नीना गुप्ता आए नजर

थिएटर में रिलीज होने में अब सिर्फ एक महीना बाकी है और वध 2 को लेकर उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। इसी बीच लव फिल्म्स ने संजय मिश्रा और नीना गुप्ता वाला एक दमदार नया पोस्टर रिलीज किया है। 6 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली यह फिल्म एक मजबूत और अपने साथ बांधे रखने वाली कहानी का वादा करती है, जो सोच, नैतिकता और सच की नाजुक परतों को गहराई से छूती है। नए पोस्टर में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता एक शांत और सोच में डूबे हुए पल में नजर आ रहे हैं। उनकी गंभीर और ठहरी हुई मौजूदगी इशारा करती है कि कहानी कई नजरियों से बनी है, जहां सच एक जैसा नहीं बल्कि परतों में छिपा है। यह पोस्टर दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि नजरिया, इरादा और विश्वास कैसे बदलते हैं। जसपाल सिंह संधू द्वारा लिखी और निर्देशित वध 2 में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता बिल्कुल नए किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म एक नई कहानी लेकर आती है, लेकिन वध की वही भावनात्मक और सोचने पर मजबूर करने वाली गहराई बरकरार रखती है। लव रंजन और अंकुर गर्ग की लव फिल्म्स के बैनर तले बनी यह स्पिरिचुअल सीक्वल 2026 की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में से एक बन चुकी है। वध 2 को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है, खासकर 56वें आईएफएफआई 2025 में जब फिल्म का गाला प्रीमियर हाउसफुल शो में हुआ। स्क्रीनिंग के बाद लंबे समय तक तालियां बजती रहीं और फिल्म को खूब सराहना मिली। इस मौके ने एक बार फिर साबित कर दिया कि संजय मिश्रा और नीना गुप्ता भारतीय सिनेमा के सबसे दमदार और भरोसेमंद कलाकारों में से हैं। लव फिल्म्स के बैनर तले बनी वध 2 को जसपाल सिंह संधू ने लिखा और डायरेक्ट किया है, जबकि इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 6 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अर्जुन बिजलानी के ससुर की प्रेयर मीट में पहुंचे सितारे

टीवी एक्टर अर्जुन बिजलानी के परिवार पर नए साल पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। एक्टर के ससुर और उनकी पत्नी नेहा के पिता का 1 जनवर को निधन हो गया था, जिसके बाद से अभी भी उनका परिवार शोक में डूबा हुआ है। वहीं, अर्जुन अपने ससुर के बेहद क्लोज थे और उनकी मौत के गम से उबर नहीं पा रहे हैं। हाल ही ही में उन्होंने एक इमोशनल पोस्ट के जरिए उन्हें याद किया है। अर्जुन बिजलानी ने अपने दिवंगत ससुर को याद करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वे अपने परिवार और ससुर के साथ पोज देते दिख रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अर्जुन ने लिखा, शांति पापा। आप की बातें और सीख हमेशा

आपकी सीख हमेशा साथ रहेंगी..अर्जुन बिजलानी ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट, दिवंगत ससुर से किया ये वादा

हमारे साथ रहेंगी। नेहा और अयान का पूरा ध्यान रखूंगा चिंता मत करना। आपको हमेशा प्यार। बता दें अर्जुन बिजलानी के ससुर राकेश चंद्र स्वामी का 73 साल की उम्र में निधन हो गया था। रिपोर्ट के अनुसार, राकेश को अचानक स्ट्रोक आया था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन वो बच नहीं सके। बता दें, अर्जुन बिजलानी साल के आखिर में अपनी फैमिली संग न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए दुबई गए हुए थे, लेकिन जैसे ही उन्हें ससुर की तबीयत के बारे में जानकारी मिली, वे वेकेशन छोड़ फौरन इंडिया लौट आए और उसके दूसरे ही दिन राकेश चंद्र का निधन हो गया, जिसने एक्टर और उनके पत्नी व बेटे को तोड़ दिया।

वाराणसी घूमने के दौरान इन चीजों को जरूर करें एक्सप्लोर, वरना अधूरी रह जाएगी ट्रिप

उत्तर प्रदेश राज्य में गंगा नदी के किनारे स्थित वाराणसी सबसे पुराना शहर है। वाराणसी ऐतिहासिक होने के साथ पौराणिक भी है। इसे भगवान शिव की प्रिय नगरी भी कहा जाता है। इसलिए हिंदुओं के लिए भी वाराणसी बेहद खास और पवित्र स्थल है। हिंदू धर्म में लोग मुक्ति और शुद्धिकरण के लिए वाराणसी का रुख करते हैं। कहा जाता है कि वाराणसी यानी की काशी पहुंचने वाला हर व्यक्ति भक्तिमय हो जाता है। वाराणसी शहर अपने विशाल और पवित्र मंदिरों के अलावा घाटों के लिए भी काफी ज्यादा फेमस है। ऐसे में अगर आप भी वाराणसी घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि वाराणसी घूमने के दौरान किन बेहतरीन चीजों का भी लुत्फ उठा सकते हैं। ऐसे में आप भी इन चीजों को एक्सप्लोर करना बिलकुल न भूलें।

नाव की सवारी

वाराणसी में पर्यटक जब घूमने का धार्मिक दृष्टि से पूजा–अर्चना करने पहुंचते हैं, तो वह गंगा नदी में नाव की सवारी जरूर करते हैं। यहां पर नाव की सवारी कर आप बेहद मनमोहक और खूबसूरत दृश्य देख सकते हैं। अगर आप गंगा नदी और घाटों की खूबसूरती को देखना चाहते हैं, तो आपको सुबह के समय नाव की सवारी करना चाहिए। क्योंकि सुबह के समय गंगा नदी एकदम शांत बहती है। वहीं सुबह के समय मौसम का नजारा भी बहुत अच्छा रहता है। वहीं अगर आप अकेले नाव की सवारी करते हैं, तो इसका मजा दोगुना हो जाता है।

अस्सी घाट की आरती न करें मिस

वाराणसी की गंगा आरती सबसे ज्यादा फेमस और पवित्र मानी जाती है। ऐसे में अगर आप भी वाराणसी घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको गंगा आरती मिस नहीं करनी चाहिए। वाराणसी के कई घाटों पर गंगा आरती का आयोजन होता है। लेकिन अगर आप पौराणिक गंगा आरती से रूबरू होना चाहते हैं, तो आपको अस्सी घाट की गंगा आरती देखनी चाहिए। अस्सी घाट पर भव्य और दिव्य तरीके से गंगा आरती होती है। जिसमें लाखों की संख्या में भक्त शामिल होते हैं।

गंगा घाट जरूर घूमें

वाराणसी में सिर्फ एक ही घाट नहीं बल्कि कई खूबसूरत घाट हैं। इन घाटों की आप खूबसूरती को देख सकते हैं। वाराणसी के घाटों पर हर समय सैलानी घूमते रहते हैं। यहां पर आप अस्सी घाट, मणिकर्णिका घाट, मुंशी घाट, माता आनंदमई घाट, राज घाट, दशाश्वमेध घाट और सिंधिया घाट को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इन घाटों पर भी आरती व पूजा–पाठ के कार्यक्रम होते रहते हैं। वहीं किसी विशेष मौके पर वाराणसी के इन घाटों पर भक्तों का जमावड़ा लगता है।

स्ट्रीट फूड और शॉपिंग

अगर आप वाराणसी घूमने जाएं और स्ट्रीट फूड्स का लुत्फ न उठाएं, तो आपकी ट्रिप बेकार हो सकती है। आप वाराणसी की गलियों में लगने वाले स्टॉल्स पर आलू–टिक्की, कचोरी, पानी पुरी, जलेबी, दम आलू, बाटी और बनारसी केकंद जैसे व्यंजनों को चखना न भूलें। इसके अलावा शॉपिंग करना न भूलें। वाराणसी में आप बजरडीह, दालमंडी मार्केट, ठठेरी बाजार, विश्वनाथ गली, गोदौलिया मार्केट और गोलघर मार्केट से काफी सस्ते दाम पर चीजें खरीद सकते हैं।

बेसन, सूजी लंबे समय तक रहेंगे फ्रेश,बस ट्राई करे लें ये तरीके

अक्सर लोग घर में बेसन, सूजी और मैदा को स्टोर करते हैं ताकि मूड होने पर गर्मागर्मा हलवा और पकौड़े का मजा ले सकें। लेकिन इसका मजा लेने के लिए जरूरी है कि आप सूजी, मैदा और बेसन जैसी चीजों को ठीक तरीके से स्टोर करें ताकि उसमें कीड़े ना पड़े और आपको उसको मजबूरी में फेंकना ना पड़े। जब मौसम बदल रहा होता है तब भी चीजों में कड़ी पड़ने का डर होता है। ऐसे में आप इन्हें सावधानी के साथ स्टोर करें, जिससे ये लंबे समय तक फ्रेश रह पाएगा....

फ्रिज में रखें

बेसन, सूजी या मैदे को खराब होने से बचाने के लिए फ्रिज में रखें। किसी एयर टाइट कंटेनर में इन चीजों को भरकर रख दें। इससे कभी कीड़े नहीं लगेंगे। फ्रिज में लंबे समय तक इन्हें स्टोर किया जा सकता है।

नीम की पत्ते रखें

सूजी, बेसन और मैदा को कीड़े से बचाने के लिए उसमें नीम की पत्तियां डाल कर रखें। नीम की पत्तियों को डालने से पहले उन्हें सुखा लें, उसके बाद ही किसी एयर टाइट कंटेनर में इसे डालकर रखें।

हल्का सा भून लें

बेसन और सूजी को कीड़े लगने से बचाने के लिए स्टोर करने से पहले थोड़ा सा रोस्ट कर लें। लेकिन ध्यान रहे मैदे को भूनना नहीं है। इस तरह से बेसन और सूजी लंबे समय तक चलेगी।

तेजपत्ता रखें

तेजपत्ता की खुशबू से कीड़े नहीं लगते हैं। आप बेसन, सूजी और मैदा में भी तेजपत्ता डालकर रख सकते हैं, जिस डब्बे में आप स्टोर कर रहे हैं, उसमें 3–4 तेजपत्ता डाल दें, इससे वो लंबे समय तक फ्रेश रहेंगे।

सर्दियों में इम्यूनिटी नहीं होगी कमजोर, जरूर खाएं ये 5 मौसमी फल

सर्दी का मौसम शुरु हो चुका है ऐसे में ठंड के कारण इस दौरान जुकाम, वायरल फ्लू जैसे इंफेक्शन काफी बढ़ जाते हैं। इस मौसम में इम्यूनिटी भी काफी कमजोर पड़ जाती है। ऐसे में बदलते मौसम में अपनी इम्यूनिटी मजबूत बनाने और वायरल समस्याओं से बचने के लिए आप डाइट में कुछ फल शामिल कर सकते हैं। तो चलिए आज आपको कुछ ऐसे फल बताते हैं जिन्हें सर्दियों में खाने से आप किसी भी तरह के वायरल इंफेक्शन से बचे रहेंगे। आइए जानते हैं....

संतरा

यह विटामिन–सी का बहुत अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह मौसमी संक्रमण से शरीर का बचाव करने में मदद करता है। नियमित रुप से सर्दियों में संतरा खाने से शरीर मजबूत बनता है। इस मौसम में आप इसे डाइट में शामिल कर सकते हैं इसके अलावा संतरे का जूस बनाकर भी आप पी सकते हैं।

आलूबुखारा

आलूबुखारा जिसे प्लम भी कहते हैं, यह एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा स्त्रोत माना जाता है। इसमें पाए जाने वाले गुण कैंसर से लड़ने में मदद करते हैं। सर्दियों में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत बनती है।

अमरुद

यह विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर माना जाता है। यह शरीर को इंफेक्शन से बचाता है और कोशिकाओं को किसी भी तरह के होने वाले नुकसान से बचाने में भी अमरुद बेहद लाभकारी माना जाता है। इसमें फाइबर भी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है जो हार्ट और डायबिटीज से जूझ रहे लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित होता है।

मौसंबी

यह एक खट्टा फल होता है जो विटामिन–सी से भरपूर माना जाता है। खाने में मौसंबी बेहद स्वादिष्ट होती है। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं। इसमें फाइबर पाया जाता है जो पेट संबंधी समस्याओं से शरीर का बचाव करता है।

नाश्पाती

सर्दियों में कुछ लोग नाश्पाती भी खाते हैं। यह विटामिन–सी, ई और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर मानी जाती है। इसमें एंटीइंफ्लेमेटरी गुण भी मौजूद होते हैं जो कई तरह की समस्याओं से बचाते हैं। इस मौसम में यदि आप स्वस्थ रहना चाहते हैं तो नाश्पाती का सेवन कर सकते हैं।

गुलाबी गालों के लिए इन चार चीजों से बनाकर तैयार करें नेचुरल ब्लश, मिलेगा नेचुरल ग्लो

खूबसूरत दिखने की चाहत हर किसी को होती है। ऐसे में इस चाहत के चलते लोग अपने फेस पर न जाने कितने केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कई बार इसका रिजल्ट पॉजिटिव नहीं मिल पाता है। वहीं केमिकल वाले प्रोडक्ट्स के चलते स्किन एलर्जी भी हो सकती है। ऐसे में हर रोज अच्छा दिखने की चाहत में रोजाना मेकअप करने से स्किन खराब होने लगती है। ऐसे में अगर आपको भी बिना मेकअप के गुलाबी गाल चाहिए तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसा नुस्खा बताने जा रहे हैं। जिनके इस्तेमाल से आप अपने गालों को नेचुरल पिंक ब्लश वाला लुक दे सकती हैं। इसके साथ ही इन चीजों के इस्तेमाल से आपकी स्किन को किसी भी तरह का नुकसान भी नहीं पहुंचेगा।

चुकंदर का ब्लश

चुकंदर हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। साथ ही इसको फेस पर लगाने से रंगत निखरती है। पुराने समय में जब लोगों के पास मेकअप का सामान नहीं होता था। तो लोग अपने गालों को गुलाबी करने के लिए घरेलू चीजों का इस्तेमाल करते थे। ऐसे में आप भी चुकंदर का ब्लश बनाकर अपने गालों को नेचुरली पिंक बना सकते हैं।

इसके लिए आपको उबले हुए चुकंदर का गाढ़ा पल्प चाहिए। इस पल्प में ग्लिसरीन की कुछ बूंदे मिला लें। इस आसान तरीके से आपका ब्लश बनकर तैयार हो जाएगा। साथ ही यह एकदम नेचुरल होगा, तो आपको किसी तरह की एलर्जी की भी समस्या नहीं होगी। आप इस ब्लश को एक छोटे कंटेनर में भरकर स्टोर कर सकती हैं।

गुलाब के फूल का ब्लश

क्या आप जानती हैं कि आप गुलाब की पंखुड़ियों के इस्तेमाल से भी नेचुरल ब्लश बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आप गुलाब के ताजे फूल की पंखुड़ियों का पेस्ट बना लें। फिर इस पेस्ट में जरूरत के मुताबिक आरारोट का पेस्ट मिक्स कर लें। अब इसे एक कंटेनर में भरकर स्टोर कर लें। इस तरह से आपका गुलाब का ब्लश बनकर तैयार हो जाएगा। ऐसे में आपको जब भी चाहिए तो इस ब्लश के इस्तेमाल से अपने गालों को नेचुरली पिंक कर सकती हैं।

गाजर का ब्लश

अगर आपको अपने गालों पर हल्का पीच कलर का ब्लश चाहिए। तो इसके लिए आपको नारंगी गाजर की जरूरत होगी। नारंगी गाजर को कद्दूकस में कसकर सुखा लें। फिर इसमें अरारोट मिला लें। इस तरह से आपका पीच कलर का ब्लश बनकर तैयार हो जाएगा। जो आपके गालों को नेचुरल दिखाने में मदद करेगा।

गुड़हल के फूल का ब्लश

चुकंदर, गुलाब और गाजर की तरह आप गुड़हल के फूल का भी ब्लश आसानी से बनाकर तैयार कर सकती हैं। गुड़हल के फूल का ब्लश बनाने के लिए आपको गुड़हल के फूल और आरारोट पाउडर को एक साथ पीसना होगा। आप चाहें तो अपनी पसंद के हिसाब से इसमें एसेंशियल ऑयल भी मिला सकती हैं। गुड़हल के फूल के बने ब्लश को आप किसी छोटे कंटेनर में स्टोर कर सकती हैं। इसके साथ ही आप लंबे समय तक इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

बेबी माउथिंग की आदत सामान्य या असामान्य, जानिए बच्चे के विकास के लिए कितना जरूरी

छोटे बच्चों को हमेशा आसपास मौजूद चीज को सीधे मुंह में डालने की आदत होती है। बच्चों की इस आदत से पेरेंट्स परेशान रहते हैं। तो वहीं कुछ माता–पिता यह समझने का प्रयास करते हैं, कि बच्चों को यह आदत सही होती है, या खराब। बच्चों की इस आदत को माउथिंग कहा जाता है। हांलाकि बच्चों द्वारा वस्तुओं को मुंह में डालने की यह आदत स्वाभाविक होती है। बता दें कि आमतौर पर शुरूआत के कुछ महीनों में बच्चों को यह आदत होती है। जो उनके विकास का एक हिस्सा माना जाता है। ऐसे में अगर आपके बच्चे को भी यह आदत है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।य़ आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि बच्चे की यह आदत सामान्य होती है या असामान्य है।

माउथिंग की आदत सामान्य या असामान्य

आपको बता दें कि बच्चा माउथिंग की आदत के जरिए घनत्व, बनावट, आकार और स्वाद जैसे संवेदी गुणों के बारे में सीखते हैं। किसी भी अन्य इंद्रियों की तुलना में नवजात शिशु अपने मुंह से ज्यादा जानकारी एकत्र करने का प्रयास करते हैं। बच्चों की माउथिंग न सिर्फ उनके शारीरिक बल्की मानसिक विकास का भी संकेत हो सकता है। ऐसे में जब बच्चा किसी भी वस्तु को अपने मुंह में डालता है, तो वह उसके बारे में जानकारी लेने का प्रयास करता है। हांलाकि बच्चों द्वारा किसी भी वस्तु को मुंह में डालने की आदत को लेकर पेरेंट्स का सतर्क होना बेहद जरूरी होता है। इसलिए पेरेंट्स को इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि बच्चा जो भी चीज मुंह में डाल रहे हैं, वह उनके लिए सुरक्षित है या नहीं। क्योंकि बच्चों द्वारा किसी चीज को मुंह में डालने से उनका दम घुट सकता है, या फिर वह चीज बच्चे के गले में अटकने का खतरा रहता है। ऐसे में पेरेंट्स द्वारा यह सुनिश्चित करना उन्हें इन तरीकों के खतरे से बचाता है।

जानिए माउथिंग के फायदे

शिशुओं द्वारा माउथिंग करना संवेदी उत्तेजना में सहायता करता है। इसके जरिए बच्चा उसके आकार, बनावट व स्वाद के बारे में जानकारी हासिल करता है। यह आदत फ्यूचर में खाने की अच्छी आदतों में सहायता करता है।

माउथिंग द्वारा बच्चों के मुंह की एक्सरसाइज भी हो जाती है। इस प्रक्रिया से बच्चे के गाल व जबड़े मजबूत होते हैं और बोलने के विकास में बढ़ावा मिलता है।

इसके अलावा माउथिंग की आदत बच्चे की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में सहायक होता है। क्योंकि बच्चे के आसपास व उनके हाथों के जरिए कीटाणु मुंह में प्रवेक कर जाते हैं।

माउथिंग की आदत बच्चो को सेल्फ रिलीफ में मदद करती है। वस्तुओं या उंगली को चूसने से उन्हें आराम मिल सकता है और भावनाओं को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

बच्चों के दांत निकलने के दौरान माउथिंग की आदत उनको दर्द से राहत दे सकती है। जब बच्चा किसी सुरक्षित वस्तु को अपने मुंह से दबाता है, तो इस दबाव से उभरते दांतों की परेशानी को कम करने में मदद कर सकती है।

संक्षिप्त

अगरकर को 10 में 10 मिलना चाहिए, भारत की टी20 विश्व कप टीम पर हरभजन सिंह ने क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम चयन को लेकर बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की जमकर सराहना की है। हरभजन का मानना है कि चयन समिति ने साहसिक और संतुलित फैसले लिए हैं, जिसके लिए अगरकर को पूरे 10 में से 10 अंक मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि टीम में चुने गए खिलाड़ी अपने–अपने दम पर मैच जिताने की क्षमता रखते हैं। हरभजन ने साफ शब्दों में कहा, टीम वाकई बहुत अच्छी बनी है। मैंने पहले भी कहा था कि अजीत अगरकर को इस टीम के लिए 10 में से 10 नंबर मिलने चाहिए। टीम से शुभमन गिल को बाहर किए जाने पर हरभजन ने थोड़ी निराशा जरूर जताई, लेकिन साथ ही भविष्य को लेकर भरोसा भी दिखाया। उन्होंने कहा, मुझे शुभमन गिल के लिए थोड़ा बुरा लगा, लेकिन उसे आगे और मौके जरूर मिलेंगे। हरभजन के मुताबिक, चयन में कुछ फैसले मुश्किल होते हैं, लेकिन टीम की मजबूती ज्यादा अहम है। हरभजन सिंह ने टीम इंडिया की गहराई की सराहना करते हुए कहा, इस टीम में हर खिलाड़ी अपने दम पर मैच जिताने की काबिलियत रखता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत लगातार दूसरा टी20 वर्ल्ड कप जीत सकता है। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि हम बैक–टू–बैक वर्ल्ड कप जीत सकते हैं, क्योंकि हमारे पास वैसी टीम है। हालिया फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों के बीच हरभजन ने कप्तान सूर्यकुमार यादव का खुलकर समर्थन किया। उन्होंने कहा, सूर्यकुमार यादव ने हाल में ज्यादा रन नहीं बनाए हैं, लेकिन जब वर्ल्ड कप आता है तो बड़े खिलाड़ी ही चमकते हैं। हरभजन ने आगे जोड़ा, श्वह बड़े मैच में जरूर चमकेंगे।

आखिरी मैच में इंग्लैंड को झटका! सिडनी टेस्ट में स्टोक्स को लगी चोटय बल्लेबाजी करने भी नहीं आए

सिडनी,एजेंसी। एशेज सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट में इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे मुकाबले के चौथे दिन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ग्रोइन इंजरी के कारण मैदान से बाहर चले गए। यह घटना ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान दिन के पहले सत्र में घटी। चौथे दिन इंग्लैंड की दूसरी पारी में स्टोक्स पांच विकेट गिरने तक बल्लेबाजी करने भी नहीं आए हैं। बेन स्टोक्स ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान अपना 28वां ओवर डाल रहे थे, तभी उन्हें परेशानी महसूस हुई और वह बीच ओवर में ही मैदान से बाहर चले गए। इंग्लैंड टीम मैनेजमेंट ने बाद में पुष्टि की कि कप्तान दाएं पैर की एडडक्टर समस्या से जूझ रहे हैं। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड की ओर से कहा गया, बेन स्टोक्स के दाएं एडडक्टर में परेशानी है और फिलहाल उनका आकलन किया जा रहा है। जैसे ही अधिक जानकारी मिलेगी, अपडेट साझा किया जाएगा।श स्टोक्स की गैरमौजूदगी में उपकप्तान हैरी ब्रूक ने मैदान पर कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली। चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी 567 रनों पर समाप्त की। दिन की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया ने 518ध्7 से की थी और मेजबान टीम ने 49 रन और जोड़कर 183 रनों की बढ़त हासिल की। ट्रेविस हेड ने शानदार 165 रन बनाए, जबकि कप्तान स्टीव स्मिथ ने 136 रनों की अहम पारी खेली। ब्यू वेबस्टर ने भी 71 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की स्थिति मजबूत की। 183 रनों के बड़े घाटे के साथ इंग्लैंड ने दूसरी पारी की शुरुआत की, लेकिन टीम को पहले ही ओवर में झटका लग गया। सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली महज एक रन बनाकर मिचेल स्टार्क की गेंद पर आउट हो गए। हालांकि, बेन डकेट और जैकब बेथेल ने संभलकर बल्लेबाजी की और लंच तक इंग्लैंड का स्कोर 80ध्1 तक पहुंचाया। डकेट और हैरी ब्रूक 42–42 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, बेथेल ने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया। इंग्लैंड ने पांच विकेट गंवाकर 250 से ज्यादा रन बना लिए हैं। इंग्लैंड की बढ़त 70 से ज्यादा रन की हो चुकी है।

जोमैटो–ब्लिंकिट की मूल कंपनी इटरनल को 3.69 करोड़ रुपये का जीएससी नोटिस

नई दिल्ली,एजेंसी। जोमैटो और ब्लिंकिट की मूल कंपनी इटरनल को अप्रैल 2019– मार्च 2020 की अवधि के लिए 3.69 करोड़ रुपये का जीएसटी मांग आदेश मिला है। कंपनी ने

कहा है कि उसका पक्ष मजबूत है और वह इस आदेश के खिलाफ अपील करेगी। इटरनल, जो जोमैटो और ब्लिंकइट की मूल कंपनी है, को वस्तु व सेवा कर (ळैज) से जुड़ा एक मांग आदेश मिला है। यह आदेश ब्याज और जुर्माने सहित कुल 3,69,80,242 रुपये का है और यह अप्रैल 2019 से मार्च 2020 की अवधि से संबंधित है। कंपनी ने मंगलवार देर शाम नियामक फाइलिंग में बताया कि यह आदेश पश्चिम बंगाल में राज्य कर (अपील) के अतिरिक्त आयुक्त द्वारा पारित किया गया है। यह मांग आउटपुट टैक्स के कथित कम भुगतान, उस पर लगने वाले ब्याज और जुर्माने से जुड़ी है। इटरनल के अनुसार, उसे 6 जनवरी 2026 को यह आदेश प्राप्त हुआ, जिसमें 1,92,43,792 रुपये के जीएसटी की पुष्टि की गई है। इसके साथ 1,58,12,070 रुपये का ब्याज और 19,24,380 रुपये का जुर्माना भी शामिल है। कंपनी ने कहा है कि उसका मानना है कि मामले के तथ्यों और कानूनी आधार पर उसका पक्ष मजबूत है। इटरनल ने स्पष्ट किया कि वह इस आदेश के खिलाफ संबंधित प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करेगी।

600+रन बनाने के बावजूद भारतीय ODI टीम में नहीं मिली जगह! अब देवदत्त पडिक्कल ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली,एजेंसी। विजय हजारे ट्रॉफी में जबरदस्त फॉर्म में चल रहे भारतीय बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने मौजूदा सीजन में 600 से ज्यादा रन बना लिए हैं। घरेलू वनडे क्रिकेट में उनकी निरंतरता और तकनीकी मजबूती साफ नजर आ रही है। बावजूद इसके, न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिली, जिस पर अब उन्होंने खुलकर प्रतिक्रिया दी है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर रहने पर पडिक्कल ने निराशा जताने के बजाय संतुलित और परिपक्व सोच दिखाई। इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि यह निराशाजनक था। हां, मैं चयन को लेकर देख रहा था कि क्या होता है, लेकिन साथ ही मैं यह भी समझता हूं कि इस समय लाइन में बहुत सारे बल्लेबाज हैं और सभी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में वनडे टीम में जगह बनाना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर आपको इन चीजों को स्वीकार करना पड़ता है। आपको बस अपना काम करते रहना होता है और लगातार रन बनाते रहना होता है।

पडिक्कल ने स्वीकार किया कि उनका क्रिकेट टेस्ट क्रिकेट की सोच के साथ विकसित हुआ था, लेकिन आईपीएल ने उन्हें अपनी बल्लेबाजी में बदलाव

करने के लिए मजबूर किया। पडिक्कल ने कहा, मैं टेस्ट क्रिकेट खेलने की सोच के साथ बड़ा हुआ हूं, इसलिए मेरा खेल एक खास तरीके से ढला हुआ था। जब टी20 क्रिकेट के मौजूदा अंदाज के हिसाब से खुद को ढालना पड़ा, तो यह निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण था।

उन्होंने अपनी टी20 बल्लेबाजी में सुधार का श्रेय रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कोचिंग स्टाफ को दिया। पडिक्कल ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो इसका पूरा श्रेय डीके (दिनेश कार्तिक) और एंडी (फ्लावर) को जाता है। उन्होंने मुझे समझाया कि मैं टी20 फॉर्मेट में अपने खेल को कैसे अधिकतम कर सकता हूं।

वनडे क्रिकेट को लेकर पडिक्कल ने कहा कि इस फॉर्मेट में उन्हें अपनी लय जल्दी मिल गई। उन्होंने कहा, श्वनडे क्रिकेट में सब कुछ टेंपो और पैटर्न पर निर्भर करता है। खुशकिस्मती से मुझे यह अपने 50 ओवर करियर की शुरुआत में ही समझ आ गया।श उन्होंने अपनी रणनीति बताते हुए कहा, मेरे लिए यह काफी सीधा है। नई गेंद को संभालना, फिर गेंदबाजों पर दबाव बनाना और स्थिति के अनुसार खेलना।

नौ चौके और 10 छक्के...तीसरे यूथ वनडे में वैभव सूर्यवंशी का तूफान, 63 गेंदों में जड़ा शतक

बेनोनी,एजेंसी। भारत और दक्षिण अफ्रीका की अंडर–19 टीमों के बीच जारी तीन यूथ वनडे मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले

में भी कप्तान वैभव सूर्यवंशी का बल्ला जमकर गरजा है। उन्होंने महज 63 गेंदों में शतक जड़कर विपक्षी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। बेनोनी में खेले जा रहे इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है। इस मुकाबले में ऑरोन जॉर्ज और वैभव सूर्यवंशी ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 227 रनों की विशाल साझेदारी हुई। कप्तान वैभव सूर्यवंशी ने महज 74 गेंदों में नौ चौके और 10 छक्के की सहायता से 127 रनों की धमाकेदार पारी खेली। यह पहला मौका नहीं हैं जब 14 वर्षीय सूर्यवंशी का बल्ला गरजा है। इससे पहले उन्होंने दूसरे यूथ वनडे में भी धुआंधार प्रदर्शन किया था। उन्होंने महज 24 गेंदों में 10 छक्के और एक चौके की मदद से 68 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 283.33 का रहा था। दक्षिण अफ्रीका की धरती पर अपने पहले शतक के साथ वैभव ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। 14 वर्षीय वैभव पांच अलग–अलग देशों में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए। इससे पहले उन्होंने भारत, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में शतकीय पारी खेली थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी तीन यूथ वनडे मैचों की सीरीज के लिए बीसीसीआई ने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को टीम की कमान सौंपी है। इसी के साथ उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह यूथ वनडे में किसी टीम की कमान संभालने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के कप्तान बन गए। उन्होंने इस मामले में पाकिस्तान के अहमद शहजाद का रिकॉर्ड तोड़ा। शहजाद ने साल 2007 में 15 साल 141 दिन की उम्र में पाकिस्तान की अंडर–19 टीम की कप्तानी की थी।

उतार–चढ़ाव के बाद शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 102 अंक टूटा, जानें निफ्टी का हाल

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 102.20 अंक या 0.12 प्रतिशत गिरकर 84,961.14 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 37.95 अंक या 0.14 प्रतिशत गिरकर 26,140.75 पर बंद हुआ। एशियाई शेयर बाजार में बुधवार को मिला–जुला कारोबार हुआ, वॉल स्ट्रीट पर हाल ही में हुई रिकॉर्ड तेजी से उत्पन्न हलचल कुछ हद तक शांत हुई, जबकि निवेशकों का ध्यान वैश्विक ब्याज दरों और वेनेजुएला में हो रहे घटनाक्रमों के कारण उत्पन्न अनिश्चितता पर केंद्रित हो गया। वॉल स्ट्रीट में व्यापक तेजी के बावजूद, जापान का निक्केई 225 1.1: गिरकर 51,961.98 पर बंद हुआ, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.6: बढ़कर 4,551.06 पर पहुंच गया। दोनों ने एक दिन पहले ही रिकॉर्ड स्तर बनाए थे।

2025 में आठ प्रमुख शहरों में आवास बिक्री एक प्रतिशत घटी, जानें रिपोर्ट में क्या दावा

नई दिल्ली,एजेंसी। नाइट फ्रैंक इंडिया के अनुसार, 2025 में देश के आठ प्रमुख शहरों में आवास बिक्री सालाना आधार पर 1 प्रतिशत घटकर 3.48 लाख से अधिक यूनिट रही। इस दौरान औसत घरों की कीमतों में 19 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी से मांग पर दबाव बना। देश के आठ प्रमुख शहरों में 2025 में आवास बिक्री में सालाना आधार पर एक प्रतिशत की गिरावट आई। नाइट फ्रैंक के अनुसार यह घटकर 3.48 लाख से अधिक यूनिट रही।

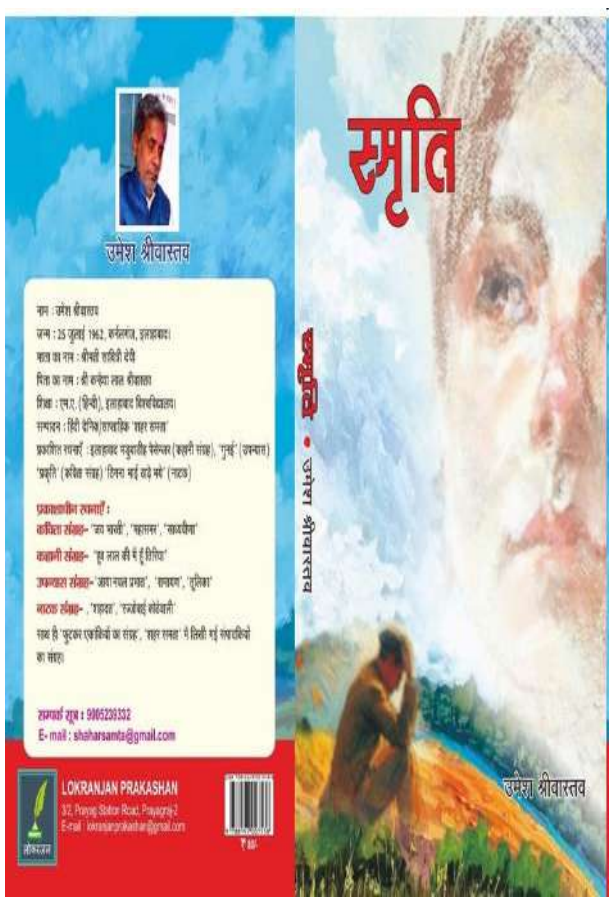

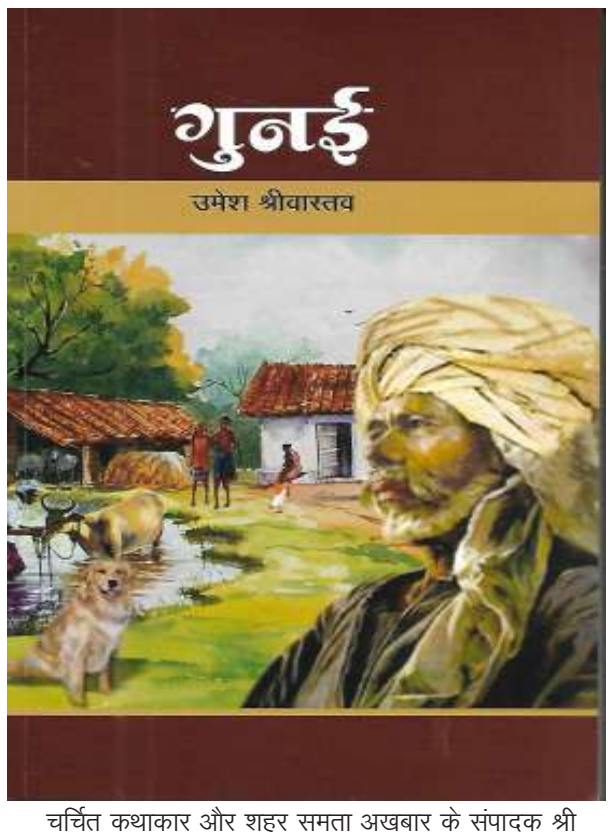

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

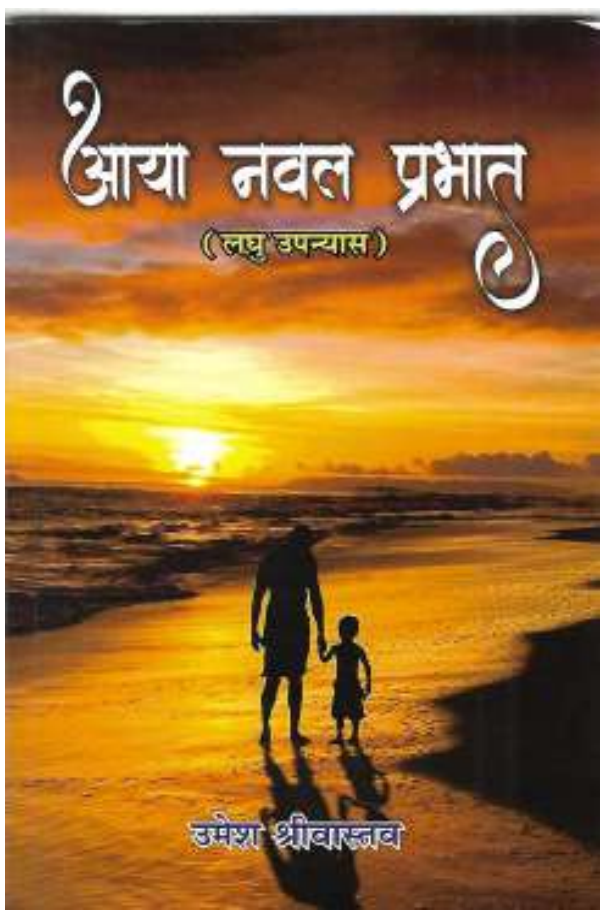

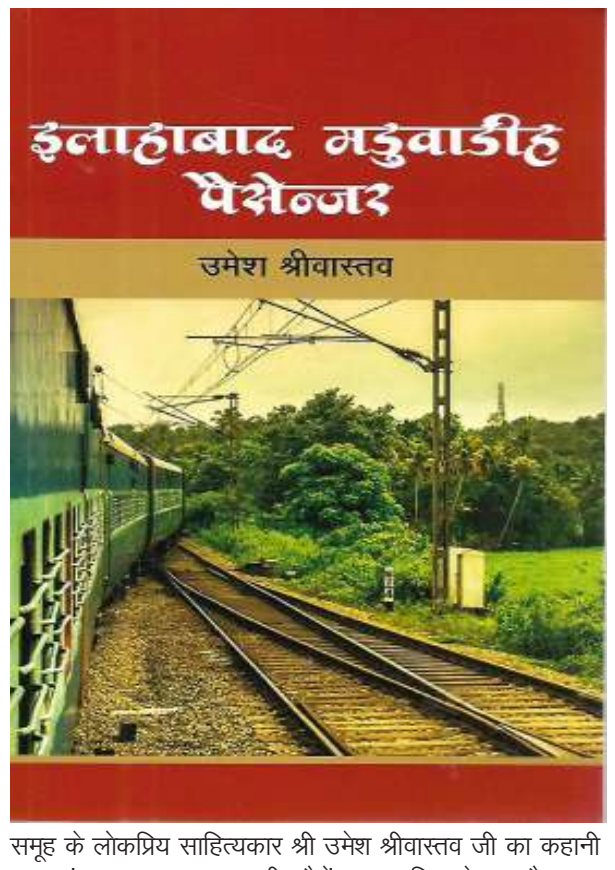

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

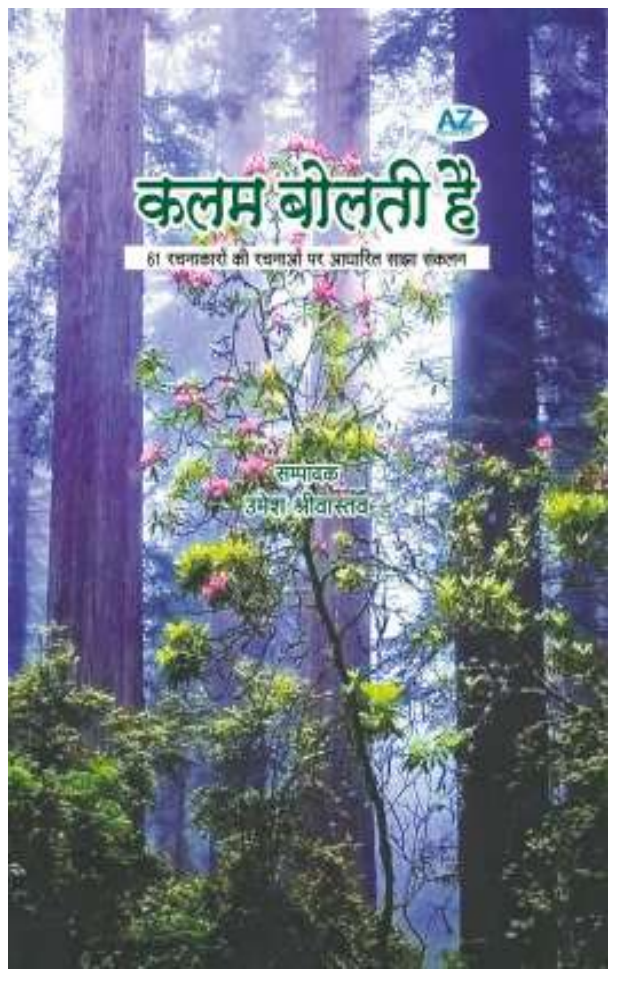

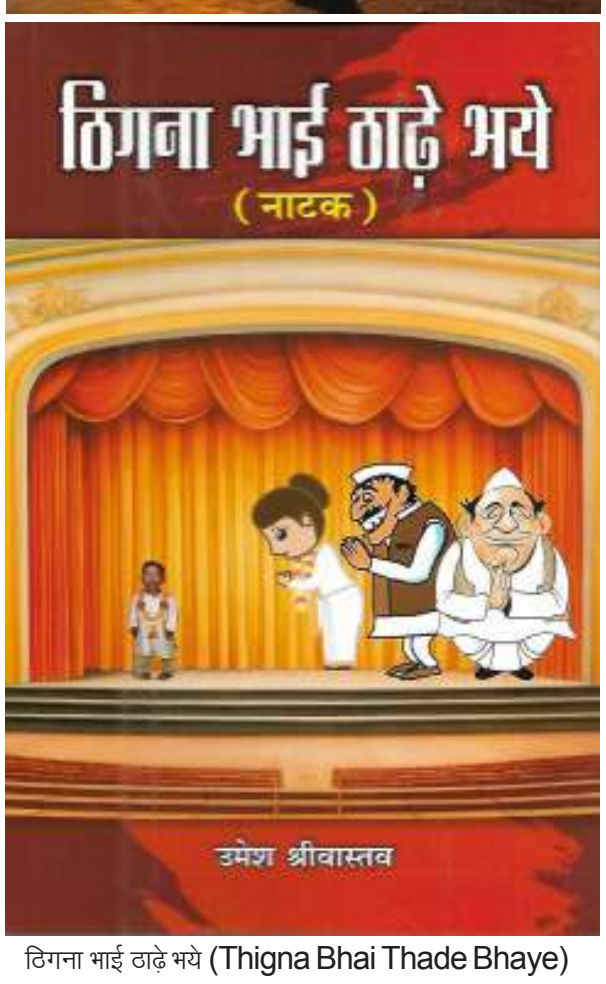

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

चोरी के शक में भीड़ ने दौड़ाया, जान बचाने को नहर में कूदा हिंदू युवक डूबकर मौत

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के मामले थमते नजर नहीं आ रहे हैं। हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की हालिया घटना नौगांव जिले के महादेवपुर इलाके में हुई। चोरी के शक में पीछा कर रही भीड़ से बचने के लिए हिंदू शख्स ने नहर में छलांग लगा दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक युवक की पानी में डूबने से मौत हो गई।

पीड़ित की पहचान भंडारपुर गांव के मिथुन सरकार के तौर पर हुई है। पुलिस ने मंगलवार दोपहर को उसका शव बरामद किया। बांग्लादेश में बीते 48 घंटों में ये तीसरे हिंदू शख्स की हत्या है। वहीं, 18 दिनों 7 हिंदुओं को निशाना बनाकर मौत के घाट उतार दिया गया है।

स्थानीय खबरों के मुताबिक उन्मादी भीड़ ने चोरी के शक में मिथुन सरकार का पीछा किया। भीड़ से बचने की कोशिश में वह नहर में कूद गया और डूब गया। कुछ समय बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उसका शव बरामद किया। अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है कि मिथुन किसी चोरी में शामिल था या नहीं।

इससे पहले सोमवार को बांग्लादेश के नरसिंगदी में एक किराने की दुकान चलाने वाले शरत चक्रवर्ती मणि की उन्मादी भीड़ ने हत्या कर दी थी। सोमवार को ही जशोर के मनीरामपुर में एक हिंदू पत्रकार राणा प्रताप बैरागी की गोली मारने के बाद गला काट कर नृशंस हत्या कर दी गई थी। राजधानी ढाका के बाहरी इलाके नरसिंगदी में 40 वर्षीय हिंदू युवक शरत चक्रवर्ती मणि की चरमपंथियों ने धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चरमपंथियों ने उनसे हिंदू होने के चलते जजिया टैक्स की मांग की थी। शरत चक्रवर्ती मणि पहले दक्षिण कोरिया में काम करते थे और कुछ साल पहले बांग्लादेश लौट आए थे।

बांग्लादेश के मनीरामपुर के जशोर में एक हिंदू पत्रकार राणा प्रताप बैरागी की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 45 वर्षीय बैरागी एक अखबार के संपादक के भी थे। बैरागी को हमलावरों ने पहले सिर में कई बार गोली मारी और इसके बाद उनका गला रेत दिया। पुलिस ने कहा था कि हमलावरों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। बांग्लादेश के शरीयतपुर जिले के एक हिंदू व्यवसायी खोकन चंद्र दास को तीन जनवरी को भीड़ ने पीट–पीटकर मार डाला और आग लगा दी। हालांकि वह बचने के लिए एक तालाब में कूद गए, लेकिन बाद में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दिसंबर 2025 के अंत में मयमनसिंह में एक कपड़ा कारखाने में काम करते समय ब्रजेंद्र बिस्वास (40) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 24 दिसंबर को राजबाड़ी में कथित जबरन वसूली के आरोप में अमृत मंडल (29) की पीट– पीटकर हत्या कर दी गई। 18 दिसंबर को मयमनसिंह में दीपू चंद्र दास (29) की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई और उन्हें आग लगा दी गई।

एल्ड्रिच एम्स का निधन, सीआईए की गोपनीय जानकारी सोवियत संघ को देने का लगा था आरोप

सीआईए के गद्दार एल्ड्रिच एम्स का 84 वर्ष के आयु मैरीलैंड की एक जेल में मृत्यु हो गई है। जेल ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि एम्स की मौत सोमवार को हुई। एल्ड्रिच एम्स पर आरोप था कि उन्होंने अमेरिकी की खुफिया जानकारी रूस को दे थी। एम्स ने सीआईए में 31 साल तक सेवा दी थी। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें 1985 से लेकर 1994 में अमेरिकी खुफिया जानकारी के बदले मॉस्को से 25 लाख अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया गया था। उनके खुलासों में 10 रूसी अधिकारियों और एक पूर्वी यूरोपीय व्यक्ति की पहचान शामिल थी, जो संयुक्त राज्य अमेरिका या ग्रेट ब्रिटेन के लिए जासूसी कर रहे थे। इसके साथ ही जासूसी गिरोह चला रहे थे। इसमें गुप्त रूप से बातें सुनना और सामान्य जासूसी प्रक्रियाएं भी शामिल थीं। उनके विश्वासघात को लौह पर्दे के पीछे काम कर रहे पश्चिमी एजेंटों की फांसी का कारण माना जाता है। शीत युद्ध के दौरान यह सीआईए के लिए एक बड़ा झटका था।

उन्होंने बिना मुकदमे के जासूसी और कर चोरी के आरोप स्वीकार कर लिए और उन्हें बिना पैरोल के आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। अभियोजकों ने कहा कि उन्होंने वर्षों तक संयुक्त राज्य अमेरिका को बहुमूल्य खुफिया जानकारी से वंचित रखा। उन्होंने कर्ज चुकाने के लिए पैसे लेने के निराशाजनक इरादों से किए गए विश्वासघात के लिए गहराई से शर्म और अपराधबोध व्यक्त किया। लेकिन उन्होंने अपने द्वारा किए गए नुकसान को कम करके बताया और अदालत से कहा कि उन्हें नहीं लगता कि उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका को स्पष्ट रूप से नुकसान पहुंचाया है या मॉस्को की स्पष्ट रूप से मदद की है।

उन्होंने अदालत से कहा, ष्ये जासूसी युद्ध एक तमाशा हैं, जिनका वर्षों से हमारे महत्वपूर्ण सुरक्षा हितों पर कोई वास्तविक प्रभाव नहीं पड़ा है, उन्होंने दुनिया भर में फैले मानव जासूसों के विशाल नेटवर्क से किसी भी देश के नेताओं को मिलने वाले लाभ पर सवाल उठाया। सजा सुनाए जाने से एक दिन पहले द वाशिंगटन पोस्ट को दिए गए जेल के एक साक्षात्कार में एम्स ने कहा कि वह तत्काल और निरंतर वित्तीय परेशानियों के कारण जासूसी करने के लिए प्रेरित हुआ था। एफबीआई द्वारा जारी मामले के विवरण के अनुसार, एम्स वर्जीनिया के लैंगली स्थित सीआईए मुख्यालय में सोवियतध्पूर्वी यूरोपीय विभाग में कार्यरत थे, जब उन्होंने पहली बार केजीबी से संपर्क किया। सीआईए के लिए रोम में तैनात रहने के दौरान और वाशिंगटन लौटने के बाद भी उन्होंने सोवियत संघ को गुप्त जानकारी देना जारी रखा। इसी बीच अमेरिकी खुफिया समूह यह पता लगाने की पुरजोर कोशिश कर रहा था कि इतने सारे एजेंट मॉस्को में क्यों पकड़े जा रहे थे। एम्स की जासूसी उसी समय हुई जब एफबीआई एजेंट रॉबर्ट हैंसन भी जासूसी कर रहे थे। हैंसन को 2001 में पकड़ा गया था और उन पर 14 लाख अमेरिकी डॉलर नकद और हीरे लेकर मॉस्को को गुप्त जानकारी बेचने का आरोप लगाया गया था। उनकी मृत्यु 2023 में जेल में हुई।

ईरान में निर्वासित युवराज पहलवी ने की जनता से कार्रवाई की अपीलय विरोधी प्रदर्शनों में अब तक 36 मौतें

तेहरान,एजेंसी। ईरान में बढ़ती महंगाई और गंभीर आर्थिक संकट के खिलाफ भड़के खामेनेई विरोधी प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया है। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, अब तक कम से कम 36 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। यह बीते तीन वर्षों में ईरान का सबसे बड़ा जन आंदोलन माना जा रहा है। मंगलवार को तेहरान के ऐतिहासिक बाजार में प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। यह विरोध प्रदर्शन ईरानी रियाल के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के बाद और तेज हो गए, जिससे आम जनता की क्रय शक्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। ईरान के अंतिम शाह के पुत्र और निर्वासित युवराज रजा पहलवी ने पहली बार सार्वजनिक रूप से ईरानी

जनता से कार्रवाई का आह्वान किया है। उन्होंने संदेश में कहा 8 और 9 जनवरी को रात 8 बजे, जहां भी हों सड़कों पर या अपने घरों से एक साथ नारे लगाइए। आपकी प्रतिक्रिया के आधार पर आगे की रणनीति घोषित की जाएगी। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनके समर्थन में नारे और वीडियो वायरल हो रहे हैं। पश्चिमी ईरान के अबदानान शहर में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। वीडियो फुटेज में प्रदर्शनकारी जाविद शाह और पूरा शासन निशाने पर है जैसे नारे लगाते दिखे। कई जगहों पर खामेनेई का पतन होगा जैसे नारे भी सुनाई दिए। ईरानी मुद्रा हाल ही में 1 डॉलर के मुकाबले 14.7 लाख रियाल तक गिर गई। इससे व्यापारियों और आम नागरिकों में भारी आक्रोश फैल गया। 28 दिसंबर को तेहरान बाजार बंद होने के साथ ही विरोध ा की लहर शुरू हुई, जो जल्द ही पश्चिमी ईरान और कुर्द बहुल इलाकों तक फैल गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरानी सरकार ने विरोध ा प्रदर्शनों को दबाने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। सुरक्षा बलों के साथ–साथ ईरान समर्थित इराकी शिया मिलिशिया के लड़ाके भी कथित तौर पर कार्रवाई में शामिल हैं। करीब 800 लड़ाकों की तैनाती की खबर है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने जनता की नाराजगी को शांत करने के लिए आर्थिक सुध ारों का वादा किया है। सरकार ने आयातकों के लिए विशेष मुद्रा दरें खत्म कर सीधे सब्सिडी देने की घोषणा की है, जो 10 जनवरी से लागू होगी। हालांकि, न्यायपालिका ने उपद्रवियों के खिलाफ सख्ती बरतने की चेतावनी दी है।

हादी के दल ने पुलिस के आरोपों से इनकार किया, इंसाफ न मिलने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश में मारे गए छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की पार्टी इंकलाब मंच ने पुलिस के आरोप पत्र (चार्जशीट) को मानने से इनकार कर दिया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि इस हत्याकांड में केवल स्थानीय अपराधी ही नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र भी शामिल है। बंगाली समाचार पत्र श्प्रथम आलोश के अनुसार, इंकलाब मंच ने चेतावनी दी है कि अगर न्याय सुनिश्चित नहीं किया गया, तो उन्हें हिंसक आंदोलन करना पड़ेगा। ढाका महानगर पुलिस की अपराध शाखा ने मंगलवार को मुख्य संदिग्ध ा फैसल करीम मसूद सहित 17 लोगों के खिलाफ औपचारिक आरोप तय किए। पुलिस का कहना है कि हादी की हत्या अवामी लीग के वार्ड पार्षद तैजुल इस्लाम चौधरी बप्पी के कहने पर श्राजनीतिक प्रतिशोधश के चलते की गई थी। पुलिस के अनुसार, कथित शूटर मसूद सीधे तौर पर अवामी लीग की छात्र इकाई से जुड़ा था। इंकलाब मंच के सदस्य सचिव अब्दुल्ला अल जाबेर ने पुलिस के दावे को हास्यास्पद बताया। उन्होंने कहा कि कोई विक्षिप्त व्यक्ति भी यह विश्वास नहीं करेगा कि हादी की हत्या केवल एक वार्ड पार्षद के निर्देशों पर हुई। उन्होंने दावा किया कि इस हत्या में एक पूरा आपराधिक गिरोह और सरकारी तंत्र शामिल था। जाबेर ने कहा, जब तक असली दोषियों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जाता तबतक हमारा संघर्ष नहीं रुकेगा।

बता दें कि जुलाई–अगस्त 2024 के विरोध प्रदर्शनों में प्रमुखता से उभरे 32 वर्षीय हादी को 12 दिसंबर को ढाका में चुनाव प्रचार के दौरान सिर में गोली मारी गई थी। उपचार के दौरान 18 दिसंबर को सिंगापुर में उनका निधन हो गया। वे आगामी 12 फरवरी को होने वाले चुनावों में संसदीय उम्मीदवार भी थे। हादी की हत्या से बांग्लादेश में नई राजनीतिक अशांति फैल गई और भारत के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण हो गए। इस हत्याकांड को लेकर कुछ समूहों ने भारतीय संबंध होने का आरोप लगाया, जिसे नई दिल्ली ने सिरे से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसे झूठी कहानी बताते हुए कहा कि भारत बांग्लादेश में शांति और स्थिरता का समर्थन करता है। ढाका पुलिस ने दावा किया था कि संदिग्ध सीमा पार कर भारतीय राज्य मेघालय में घुस गए हैं। वहीं, मेघालय में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और स्थानीय पुलिस ने इन दावों को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया है। बीएसएफ अधिकारियों का कहना है कि घुसपैठ का कोई प्रमाण या खुफिया जानकारी नहीं मिली है।

संक्षिप्त

वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई पर अमेरिकी संसद से लेकर सड़क तक मतभेद

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिकी संसद में गंभीर मतभेद उभरते दिखे हैं। अमेरिकी संसद (कांग्रेस) में ट्रंप द्वारा सांसदों से परामर्श किए बिना इतना बड़ा कदम उठाने को एक नए युग के विस्तारवाद की शुरुआत माना जा रहा है। इस असंतोष को लेकर विदेश मंत्री मार्को रुबियो को सोमवार देर रात कांग्रेस नेताओं के सामने वेनेजुएला सैन्य अभियान की जानकारी पेश करनी पड़ी। उधर, इस कार्रवाई के विरुद्ध लोग सड़कों पर भी उतरे हैं। अमेरिकी कांग्रेस का कहना है कि ट्रंप बिना परामर्श या कांग्रेस से अनुमति लिए अनुचित कदम उठा रहे हैं। इसी चिंता के बीच रिपब्लिकन नेता कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) में बंद कमरे में हुई बैठक में वेनेजुएला के राष्ट्रपति को जबरन सत्ता से हटाने के ट्रंप के फैसले का समर्थन करते हुए दाखिल हुए, लेकिन कई डेमोक्रेट्स ने सवाल उठाया कि वेनेजुएला तट पर नौसैनिक बेड़ा तैनात है, जबकि देश के घाटे में चल रहे तेल उद्योग में पुनर्निवेश जरूरी है। उनका कहना है कि युद्ध शक्ति प्रस्ताव पर कांग्रेस की मंजूरी बिना वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई प्रतिबंधित है। अब सीनेट में इस सप्ताह इस मुद्दे पर चर्चा संभावित है। सीनेट के डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने चेताया कि वेनेजुएला में ट्रंप की कार्रवाई विदेश नीति के प्रति एक खतरनाक दृष्टिकोण की मात्र शुरुआत है, क्योंकि राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से कोलंबिया, क्यूबा और ग्रीनलैंड में अपनी रुचि का संकेत दे रहे हैं। उधर, सीनेट की विदेश संबंध समिति में वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य सीनेटर जीन शाहीन ने कहा, अभी भी कई सवालों के जवाब मिलने बाकी हैं। अमेरिका को वेनेजुएला घटनाक्रम की कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी? प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति में शीर्ष डेमोक्रेट, न्यूयॉर्क के सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कहा, सांसदों को अंधेरे में रखा गया।

यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए ट्रंप के दूत विटकॉफ से मिले जेलेंस्की, समर्थन के लिए यूएस को कहा धन्यवाद

पेरिस,एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को पेरिस में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ एक अहम बैठक की। इस बैठक में दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से रूस–यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा की। साथ ही दोनों पक्षों ने सुरक्षा गारंटी, युद्धविराम की निगरानी और देश के पुनर्निर्माण जैसे अहम मुद्दों पर विचार किया। इस दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिकी समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और इसे युद्ध समाप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका सुरक्षा गारंटी, युद्धविराम की निगरानी और देश के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए तैयार है। आगे जेलेंस्की ने इस बात पर भी जोर दिया कि सात जनवरी को पेरिस में दोनों देशों की टीमें फिर से सुरक्षा गारंटी और युद्ध समाप्ति के लिए बुनियादी ढांचे पर काम जारी रखेंगी। बता दें कि इस बैठक में यूक्रेन की ओर से कार्यालय प्रमुख किरिलो बुडानोव, राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुस्तेम उमेरोव, जनरल आंद्रेई ह्नातोव, कार्यालय के पहले उप प्रमुख सर्गी किसलित्स्या और राष्ट्रपति कार्यालय के सलाहकार ओलेक्सांद्र बेव्ज शामिल थे। वहीं इस बैठक के बाद अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकोफ ने कहा कि उनकी टीम ने यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल और 'कोएलिशन ऑफ द विलिंग' के साथ बैठक की, जिससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना को आगे बढ़ाया जा सके। अब बात अगर बैठक में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की बात करें तो ट्रंप की तरफ से जैरेड कुश्नर, जनरल एलेक्स ग्रिंकेविच, एम्बेसडर चार्ल्स कुश्नर और व्हाइट हाउस सलाहकार जोश ग्रुएनबाम इस बैठक में शामिल थे। विटकोफ ने कहा कि बैठक में यूरोपीय देशों और यूक्रेन के साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रगति हुई है, जिनमें सुरक्षा गारंटी का ढांचा और आर्थिक सहायता योजना शामिल हैं। वहीं कोएलिशन ऑफ द विलिंग, यूक्रेन और अमेरिका ने पेरिस में बैठक के दौरान कहा कि वे यूक्रेन में 'न्यायपूर्ण और स्थायी शांति' के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूरोपीय आयोग ने भी इस प्रगति का स्वागत किया।

ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए विकल्प तलाश रहें ट्रंप, व्हाइट हाउस के बयान से खलबलीय क्या फिर कुछ बड़ा होगा?

वॉशिंगटन,एजेंसी। वेनेजुएला पर अमेरिका की तरफ से की गई कार्रवाई और फिर वहां के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर जहां एक ओर वैश्विक राजनीति में तहलका मचा हुआ है। वहीं दूसरी ओर अब अमेरिका ग्रीनलैंड को अपने नियंत्रण में लेने के लिए विचार कर रहा है। इतना ही नहीं ट्रंप प्रशासन ग्रीनलैंड को नियंत्रण में लेने के लिए कई विकल्पों पर विचार भी कर रहा है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में साफ–साफ इस बात पर जोर दिया गया है कि जरूरत पर पड़ने पर सैन्य ताकत का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि ग्रीनलैंड को हासिल करना अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की बढ़ती मौजूदगी अमेरिका के लिए चिंता का विषय है। लेविट के अनुसार, राष्ट्रपति और उनकी टीम इस लक्ष्य को पाने के लिए अलग–अलग विकल्पों पर चर्चा कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास सेना का इस्तेमाल करने का अधिकार हमेशा रहता है। लेविट इस बयान के बाद यूरोप के कई देशों में हलचल तेज हो गई है। हालांकि दूसरी ओर ट्रंप के इस योजना पर योरप के कई देशों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बीते छह जनवरी को कई यूरोपीय नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी कर अमेरिका की इस सोच का विरोध किया।

वेनेजुएला से अमेरिका लेगा 3 से 5 करोड़ बैरल तेल, डोनाल्ड ट्रंप बोले– होगा मेरा नियंत्रण

काराकास,एजेंसी। वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नार्को–आतंकवाद के खिलाफ अभियान बताया। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान से साफ हो गया है कि वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई के पीछे अहम वजह तेल ही था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।